दैनिक राष्ट्रीय जनवक्ता

लेख , कविताएं एवं विज्ञापन प्रकाशनार्थ आदि के लिए स्थानीय संपादक इफ्तेखार उद्दीन खान से संपर्क करें
मो. 9977442619
9425442435

डाक पंजीयन क्रमांक मप्र/भोपाल/39/21-23 RNI. No.MPHIN/2005/24545

राष्ट्रीय जनवक्ता

राजगढ़ जिले का प्रमुख दैनिक समाचार पत्र

दैनिक राष्ट्रीय जनवक्ता

लेख , कविताएं एवं विज्ञापन प्रकाशनार्थ आदि के लिए उप संपादक कमरूउद्दीन खान से संपर्क करें
मो. 9340636911
9425442435
आनंद एक्सीलेंस कॉलेज के सामने, वार्ड नं. 2, ब्यावरा (राजगढ़) मप्र

वर्ष-22 अंक- 02 (सांध्य दैनिक) राजगढ़, शुक्रवार 11 जुलाई 2025 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रूपया

कांवड़ मार्ग पर लहसुन-प्याज का खाना बनाया तो ढाबा संचालक जाएंगे जेल

मेरठ (एजेंसी)। कांवड़ यात्रा शुरू हो गई हैं। श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की तरफ बढ़ रहे हैं। इस मामले में जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह ने

सभी एसडीएम, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी और अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि किसी भी कांवड़ मार्ग पर लहसुन-प्याज वाला खाना नहीं बनाया जाएगा। यदि चेकिंग में किसी ढाबे पर लहसुन-प्याज का खाना मिलता हैं तो सीधे धोखाधड़ी समेत कई संगीन धाराओं में संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी रवि शर्मा ने बताया कि हाल ही में मुजफ्फरनगर समेत कई जनपदों में कांवड़ियों के द्वारा लहसुन-प्याज के खाने को लेकर हंगामे के मामले सामने आए हैं। इसी कारण यह निर्णय लिया गया है।

महाराष्ट्र के स्कूल में पीरियड्स की जांच के लिए उतरवाए गए कपड़े

- 10वीं की बच्चियों से शर्मनाक हरकत, प्रिंसिपल समेत 8 पर केस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस ने ठाणे के एक प्राइवेट स्कूल के प्रिंसिपल समेत 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि स्कूल में कक्षा 5 से 10 तक की बच्चियों के कपड़े उतरवाकर चेकिंग की गई। 9 जुलाई को पेरेंट्स की शिकायत के बाद पुलिस ने स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन के 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पीरियड्स की चेकिंग के लिए उतरवाए कपड़े- बच्चियों ने अपने पेरेंट्स को बताया कि स्कूल के टॉयलेट में खून के धब्बे मिले थे। जिसके बाद सभी लड़कियों को कन्वेंशन हॉल में बुलाया गया और प्रोजेक्टर पर इसकी तस्वीरें दिखाई गईं।

गुजरात पुल हादसा

नदी से अब तक 16 शव मिले,3 लोग अब भी लापता

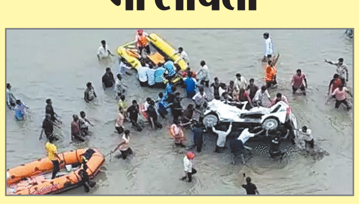

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाला पुल टूटने के बाद महिसागर नदी से 16 शव निकाले जा चुके हैं। एनडीआरएफ को गुरुवार सुबह 2 और दोपहर में एक शव मिला, जबकि 13 बॉडी बुधवार को ही बरामद हो चुकी थीं। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है। अभी भी 3 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनकी तलाश जारी है। महिसागर नदी पर बना ब्रिज बुधवार सुबह टूट गया था।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश गुरुग्राम में बाढ़ के हालात

नागपुर में घरों में पानी घुसा, रुद्रप्रयाग में पहाड़ टूटा

6 फ्लाइट डायवर्ट,मप्र., हरियाणा में नदी में डूबने से 6 बच्चों की मौत

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को तेज बारिश हुई। खराब मौसम के कारण 6 फ्लाइट को डायवर्ट किया गया था। 4 फ्लाइट जयपुर भेजी गईं और 2 फ्लाइट लखनऊ डायवर्ट की गईं। कुछ उड़ानों में देरी भी हुई।

तेज बारिश के कारण दिल्ली की कई सड़कों पर पानी भर गया और घंटों तक ट्रैफिक जाम रहा। गुरुग्राम की सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए। गाड़ियां पानी में तैरती दिखीं। सड़कों पर चल रहे लोगों की कमर के ऊपर तक पानी पहुंच गया।

गुरुग्राम में 90 मिनट में 103 मिमी बारिश हुई। बीते 12 घंटे में 133 मिमी बारिश दर्ज की गई है। गुरुग्राम जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर सभी कॉर्पोरेट ऑफिस और

प्राइवेट इंस्टीट्यूट से अपने कर्मचारियों को वर्क फॉर्म होम देने की सलाह दी है।

इधर मप्र के जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। नरसिंहपुर में नदी में बहने से 3 बच्चों की मौत हो गई। वहीं हरियाणा के कैथल में तालाब में नहाने गए 3 बच्चों की डूबने से जान चली गई।

हिमाचल में मानसून सीजन में अब तक 85 मौतें

हिमाचल प्रदेश में आज ऊना, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिला में हल्की बारिश के आसार है। मानसून सीजन (20 जून से 9 जुलाई) में अब तक 85 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें बादल फटने से 15, फ्लैश फ्लड में 8 और लैंडस्लाइड में 1 व्यक्ति की जान गई है।

गजब हाल ! धंस गई हाईटेक सिटी की सड़क, गड्ढे में गिरा बीयर से लदा ट्रक

हरियाणा के गुरुग्राम में बारिश के बाद एक चौंकाने वाला मामला प्रकाश में आया है। गुरुग्राम के सेक्टर 70 स्थित एसपीआर रोड

अचानक धंस गई और वहां से गुजर रहा ट्रक गड्ढे में ही गिर गया। इस घटना से आसपास खड़े लोगों में अपरातफरी मच गई। उधर, गुरुग्राम के सेक्टर-40 में सड़क धंसने से एक भी कार फंस गई। इसके अलावा कई इलाकों में जलभराव भी हुआ है। वर्षा के बाद नया गुरुग्राम ही नहीं, पुराना गुरुग्राम भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ।

गुरु पूर्णिमा पर शिक्षकों को नमन

- सीएम मोहन यादव ने किया नए स्कूल भवन का लोकार्पण, बच्चों के लिए की बड़ी घोषणाएं

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में गुरु पूर्णिमा का पर्व इस बार विशेष उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। राजधानी भोपाल स्थित कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिक्षकों का सम्मान करते हुए शिक्षा को समाज का सबसे सशक्त माध्यम बताया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण करने के बाद कक्षाओं में शिक्षण कार्य का अवलोकन किया और बच्चो से संवाद किया।

सीएम ने सुनाई महर्षि सांदीपनि की प्रेरणादायक कथा - उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा के गौरवशाली इतिहास का स्मरण करते हुए शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की नींव बताया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर महर्षि सांदीपनि की प्रेरणादायक कथा सुनाई और बताया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि मूल्यों और चरित्र का निर्माण भी है। उन्होंने कहा, महर्षि सांदीपनि जैसे गुरुओं ने शिक्षा को साधना बनाया था, उसी परंपरा को आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है।

36 करोड़ की लागत से बने नए स्कूल भवन का लोकार्पण- समारोह में मुख्यमंत्री ने कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय के नए अत्याधुनिक भवन का लोकार्पण किया, जिसमें स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय और आधुनिक ऑडिटोरियम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों को 5-5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देगी, जिसमें देवास, महू और एक अन्य शासकीय विद्यालय को शामिल किया गया है।

शिक्षा में ऐतिहासिक सुधार, 15 साल बाद टूटा रिजल्ट रिकॉर्ड- सीएम यादव ने गर्वपूर्वक बताया कि 15 वर्षों बाद पहली बार सरकारी स्कूलों का रिजल्ट निजी स्कूलों से बेहतर आया है। उन्होंने कहा कि शासकीय विद्यालय अब केवल भवनों तक सीमित नहीं, बल्कि गुणवत्ता और नवाचार में भी अग्रणी हो रहे हैं। हम कम खर्च में रोजगारोन्मुखी शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं, उन्होंने जोड़ा।

'विरासत से विकास' की ओर बढ़ता मध्य प्रदेश

सीएम यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरासत से विकास के मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार समाज को उसकी जड़ों से जोड़ते हुए विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि जो अपनी संस्कृति से कट जाता है, उसका अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाता है। इसलिए सांदीपनि जैसे विद्यालयों के माध्यम से हम मूल्यों, शिक्षा और नवाचार को जोड़ रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा पर एक लाख श्रद्धालु दादाजी धाम पहुंचे

बागेश्वर धाम-कुबेश्वरधाम में श्रद्धालुओं का सैलाब,नरसिंहपुर में श्रद्धालुओं ने किया नर्मदा स्नान

खंडवा/छतरपुर/सीहोर (एजेंसी)। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर मध्यप्रदेश के संत समाधियों, गुरुकुलों और आश्रमों में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम, सीहोर के कुबेरेश्वर धाम, छतरपुर के बागेश्वर धाम और खंडवा के दादाजी धाम मंदिर में पर्व को लेकर विशेष अनुष्ठान हो रहे हैं।

छतरपुर के बागेश्वर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बुधवार से ही शुरू हुआ था। गुरुवार को पंडित धीरेंद्र शास्त्री भगवान बालाजी की पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं और शिष्यों से मुलाकात की। धाम पर सुंदरकांड और भजन चल रहा था।

खंडवा के दादाजी धाम मंदिर में आरती के बाद भक्तों का मेन गेट से प्रवेश

बंद किया गया है। इसकी जगह 6 नंबर गेट से प्रवेश शुरू कराया गया है। 6 नंबर गेट पर 40 हजार भक्तों की क्षमता वाला वाटरप्रूफ डोम बनाया गया है। जितने लोग निकल रहे हैं, उससे तीन गुना लोगों का प्रवेश हो रहा है।

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में इस बार 10 से अधिक पंडाल और डोम के बाद भी बड़ी संख्या में आ रहे श्रद्धालुओं के लिए जगह कम पड़ रही है। धाम में दोपहर के समय प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। वहीं 30 क्विंटल से अधिक नुक्ती का वितरण भोजन प्रसादी के साथ किया जा रहा है। छतरपुर के बागेश्वर धाम में अब तक करीब 1 लाख श्रद्धालु पहुंचे हैं

खंडवा के दादाजी धाम मंदिर में दोपहर डेढ़ बजे तक एक लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। दो लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि इस साल 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दीक्षा लेंगे। पिछले साल साढ़े तीन लाख लोगों ने दीक्षा ली थी ।

पंजाब में जम्मू से आई रेलगाड़ी पटरी से उतरी

- इंजन समेत 3 डिब्बे डिरेल, 4 बड़ी गाड़ियां लेट, मालवा एक्सप्रेस 3 घंटे तक विजयपुर में खड़ी रही

पठानकोट (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से पंजाब के पठानकोट की तरफ आ रही एक मालगाड़ी गुरुवार सुबह माधोपुर रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गई। हादसे में ट्रेन का इंजन और तीन डिब्बे पटरी से उतरे (डिरेल) हैं। गनीमत यह रही कि यह एक मालवाहक ट्रेन थी, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

रेलवे विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारी बारिश के चलते ट्रैक के नीचे की मिट्टी और पत्थर खिसक गए हैं, जिससे यह रेल लाइन हल्की क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसी कारण ट्रेन

का संतुलन बिगड़ा और वह पटरी से उतर गई।

इसके कारण मालवा एक्सप्रेस, सर्वोदय एक्सप्रेस जैसी 4 सवारी गाड़ियां भी रास्ते में फंसी हुई हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया है कि आज शाम तक ट्रैक को ठीक कर चालू कर दिया जाएगा।

जमीन धंसने से ट्रैक प्रभावित, जांच जारी

रेलवे की ओर से हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।प्रारंभिक कारण बारिश के चलते ट्रैक के नीचे की जमीन का धंसना ही माना जा रहा है। अधिकारियों ने यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी यात्रा से पहले संबंधित रेलवे स्टेशनों या वेबसाइट्स से ट्रेन की स्थिति की जानकारी प्राप्त करें।

9 निकायों में उपचुनाव, बीजेपी का 6 वार्डों पर कब्जा

- कांग्रेस को शहडोल, बिछिया, सांवेर में जीत, ककरहटी में हीरालाल निर्विरोध विजयी

भोपाल (एजेंसी)। बीजेपी ने प्रदेश के 9 नगरीय निकायों में हुए पार्षदों के एक-एक पद के उपचुनाव में छह पर जीत हासिल की है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के तीन पार्षद प्रत्याशी जीते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव परिणामों की घोषणा कर दी है।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि प्रदेश के 9 नगरीय निकायों में हुए मतदान के बाद आज पार्षद के उप निर्वाचन के परिणाम घोषित किये गए। जीत के बाद प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र सौंपे गए हैं। इस उपचुनाव में पन्ना जिले के नगरीय निकाय ककरहटी के वार्ड 13 में भारतीय जनता पार्टी के हीरालाल आदिवासी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गए हैं।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन जारी रहेगा

- चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र मानें

पटना (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के रिवीजन जारी रखने की अनुमति दी। अदालत ने इसे संवैधानिक जिम्मेदारी बताया।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन की टाइमिंग पर सवाल उठाए। अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि बिहार में एसआईआर के दौरान आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र माना जाए।

बेंच के मुताबिक, 10 विपक्षी दलों के नेताओं समेत किसी भी याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर अंतरिम रोक की मांग नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर चुनाव आयोग से 21 जुलाई तक जवाब मांगा। अगली सुनवाई 28 जुलाई के लिए तय की।

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी वोटर लिस्ट रिवीजन पर अदालत में करीब 3 घंटे सुनवाई हुई।

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि वोटर लिस्ट रिवीजन नियमों को दरकिनार कर किया जा रहा है। वोटर की नागरिकता जांची जा रही है। ये कानून के खिलाफ है। एसआईआर के खिलाफ राजद सांसद मनोज झा, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा समेत 11 लोगों ने याचिकाएं दाखिल की गई हैं। याचिकाकर्ता की ओर से वकील गोपाल शंकर नारायण, कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी दलील दे रहे हैं। चुनाव आयोग की पैरवी पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल, राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह कर रहे हैं।

थरूर ने इमरजेंसी को काला अध्याय बताया

- कहा- इससे सबक लेना जरूरी, नसबंदी अभियान मनमाना और क्रूर फैसला था

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक आर्टिकिल में लिखा कि इमरजेंसी को सिर्फ भारतीय इतिहास के काले अध्याय के रूप में याद नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इससे सबक लेना जरूरी है। उन्होंने नसबंदी अभियान को मनमाना और क्रूर फैसला बताया।

थरूर ने मलयालम भाषा के अखबार 'दीपिका' में प्रकाशित आर्टिकल लिखा है। यह गुरुवार को प्रकाशित हुआ है। उन्होंने लिखा कि अनुशासन और व्यवस्था के लिए उठाए गए कदम कई बार ऐसी क्रूरता में बदल जाते हैं, जिन्हें किसी तरह उचित नहीं कहा जा सकता। 50 साल पहले 25 जून, 1975 को तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई थी। यह 21 मार्च, 1977 तक लागू रही थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने कई सख्त फैसले लिए थे।

नसबंदी अभियान मनमाना फैसला था- थरूर ने लिखा, इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी का जबरन नसबंदी अभियान चलाने का फैसला क्रूरता का उदाहरण बन गया। गरीब ग्रामीण इलाकों में टारगेट पूरा करने के लिए हिंसा और दबाव का सहारा लिया गया। नई दिल्ली जैसे शहरों में बेरहमी से झुग्गियां तोड़ी गईं। हजारों लोग बेघर हो गए। उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए- शशि थरूर ने अपने आर्टिकल में लिखा- लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह एक बहुमूल्य विरासत है, जिसे लगातार संरक्षित करना जरूरी है। सत्ता को सेंट्रलाइज करने, असहमति को दबाने और संविधान को दरकिनार करने का असंतोष कई रूपों में फिर सामने आ सकता है। अक्सर ऐसे एक्शन को देशहित या स्थिरता के नाम पर उचित ठहराया जाता है।

पहले लिखा था- मोदी की ऊर्जा भारत के लिए संपत्ति

थरूर ने 23 जून को द हिंदू में पब्लिश एक आर्टिकल में लिखा था कि मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा वैश्विक मंच पर भारत के लिए प्रमुख संपत्ति बनी हुई है, लेकिन उन्हें और ज्यादा सपोर्ट मिलना चाहिए।

कांग्रेस ने थरूर की निजी राय बताया था

द हिंदू के आर्टिकल को थरूर का कांग्रेस पार्टी को नाराज करने और उसकी लीडरशिप के साथ उनके संबंधों में बढ़ती दरार के रूप में देखा गया। हालांकि, कांग्रेस ने थरूर के बयान से यह कहकर किनारा कर लिया कि यह उनकी निजी राय हो सकती है, पूरी पार्टी की नहीं।

संक्षिप्त समाचार

उर्वरक विकेता मेसर्स जे.डी. एग्रो एजेन्सी के विरुद्ध कारण बताओ सूचना पत्र जारी

हरदा (निप्र)। कृषि विभाग के दल् ने मंगलवार को उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 में विनिर्दिष्ट प्रावधानो के तहत उर्वरक विक्रेता मेसर्स जे.डी. एग्रो एजेन्सी हरदा के विक्रय एवं भण्डारण प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। दल मे उर्वरक निरीक्षक सुश्री रचना पटेल, प्र. वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखण्ड हरदा श्रीमति संगीता डावर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री कमलेश कुमार भादेकर तथा सहायक श्री जितेन्द्र मंडलोई शामिल थे। उपसंचालक कृषि श्री जे. एल. कासदे ने बताया कि निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के आधार पर उर्वरक विक्रेता मेसर्स जे.डी. एग्रो एजेन्सी हरदा को कारण दर्शी सुचना पत्र जारी किया गया है, विक्रेता द्वारा कारण दर्शी सुचना पत्र के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के उपरांत आगामी कार्यवाही की जावेगी द्व

सिराली, खिरकिया व हरदा में बीएलओ का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हरदा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत जिला हरदा के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में तहसील मुख्यालयों पर गहन पुनरीक्षण कार्य को ध्यान में रखते हुए बूथ लेवल आफिसरों का प्रशिक्षण 7 से 10 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सतीश राय ने बताया कि मंगलवार को नगर पंचायत सिराली के रैन बसेरा, जनपद पंचायत खिरकिया के सभाकक्ष एवं पॉलिटेक्निक कालेज हरदा में कुल 208 बीएलओ का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के बाद सभी बीएलओ को ऑनलाईन प्रश्नपत्र हल करने के लिये दिये गये। प्रशिक्षण में संबंधित ईआरओ, एईआरओ एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में अनुपस्थित बीएलओ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये।

कलेक्टर श्री जैन रिकार्ड रूम का किया निरीक्षण

हरदा (निप्र)। शासन के निर्देश अनुसार प्रदेश के जिलों के राजस्व रिकार्डों का डिजिटलाइजेशन किया जाएगा। प्रथम चरण हरदा सहित 12 जिलों का राजस्व रिकार्डों का डिजिटलाइजेशन किया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार को राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव श्री विवेक पोरवाल ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को आवश्यक निर्देश दिये है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित रिकार्ड रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय व श्री संजीव नागु सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

धरती आबा अभियान के तहत शिविर लगाकर किया गया 447 हितग्राहियों को लाभान्वित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के उद्देश्य से जिले में 15 जून से 15 जुलाई तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सीहोर जिले के चिन्हित 80 गांवों में अब 15 जुलाई तक दिनांकवार शिविर लगाए जा रहे हैं। अभियान के तहत ग्रामों में ग्राम सभाएं भी आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत 08 जुलाई को चिन्हित गांवों में शिविर लगाकर 447 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने इस अभियान के तहत चिन्हित किए गए सीहोर जिले के 80 गांवों के जनजातीय समुदाय के नागरिकों से अभियान के तहत दिनांकवार लगने वाले शिविरों में उपस्थित होने और योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने अपील की है कि सभी पात्र हितग्राही शिविरों में उपस्थित हों और पात्रतानुसार शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ लें, ताकि जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों का भी निरंतर विकास हो सके और कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। शिविरों में हितग्राहियों का आयुष्मान भारत योजना, केसीसी योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, मातृवंदना योजना, बाल आर्शीवाद योजना, तेंदूपत्ता संग्रहण एवं बोनस योजना, एकलव्य योजना, दिव्यांग पेंशन प्रोत्साहन योजना, कल्याणी पेंशन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, विश्वकर्मा योजना, पीएम सूर्यघर योजना, घरेलू कनेक्शन सब्सीडी योजना, पांच रूपये में नवीन विद्युत कनेक्शन योजना, पीएम आवास योजना सहित अनेक योजनाओं के लिए पंजीयन किया जा रहा है और इन योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाएं : अध्यक्ष श्री रघुवंशी

गोवंश सड़कों पर न बैठे इसकी जिम्मेदारी संबंधित सड़क विभाग और टोल संचालक की

बैतूल (निप्र)। अध्यक्ष पशुपालन एवं डेयरी विभाग भारत सरकार तथा सदस्य एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया श्री राम के रघुवंशी मंगलवार को जिले के प्रवास पर रहे। उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय में मुख्यमंत्री गौसेवा योजना अंतर्गत संचालित गौशालाओं, पंजीयन के लिए प्रस्तावित गौशालाएं, पशु क्रूरता अधिनियम के क्रियान्वयन इत्यादि बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन सहित गौसेवा से जुड़े सामाजिक संगठन, गोशाला संचालक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

अध्यक्ष श्री रघुवंशी ने कहा कि समन्वित प्रयासों से ही गौसेवा के कार्य सफलतापूर्वक और त्वरित रूप से किए जा सकते हैं। इस दिशा में बैतूल जिला प्रदेश में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाएं। उन्होंने चारे की पर्याप्त उपलब्धता के लिए गौशालाओं को चरनोई भूमि आवंटित करने और उनके संचालन की जिम्मेदारी स्वयंसेवी संस्थाओं को देने की बात कहीं। उन्होंने एमपीईबी के अधिकारियों से कहा कि गौशालाओं से कमर्शियल बिल न लिया जाएं। उन्होंने कहा कि जिले में निराश्रित गोवंशों को नगरीय निकायों के माध्यम से गौशालाओं में शिफ्ट किया जाए। कांजी हाउस की अच्छी दुधारू गायों की नीलामी भी कराएं। इसी प्रकार प्रमुख सड़क मार्गों पर बनी गौशालाओं का व्यापक प्रचार प्रसार भी करें और संबंधित विभाग मार्ग पर गोशाला का नाम और दूरी के बोर्ड भी लगाएं। ताकि घायल गौवंशो को तत्काल उस गौशाला में ले जाकर उन्हें उपचार दिया जा सके। अध्यक्ष श्री रघुवंशी ने कहा कि प्रमुख सड़क मार्गों पर गोवंश ना बैठे, सड़क अवरुद्ध न हो और वहां सुरक्षा के सभी उपाय हो यह जिम्मेदारी संबंधित सड़क विभाग और टोल संचालकों की हैं। सभी सड़क संबंधी विभाग इस बात विशेष ध्यान रखें कि सड़कों पर गोवंश ना बैठे और वहां सुरक्षा के सभी उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि बारिश को ध्यान में रखते हुए गोवंशों के बैठने के लिए स्पॉट भी बनाएं जाएं। उन्होंने कहा कि जिले की मीट की दुकानों का नगर पालिका द्वारा व्यवस्थित भौतिक सत्यापन किया जाए। निर्धारित मानक मापदंडों का पालन नहीं पाए जाने पर मीट की दुकानें को सील कराएं।

इन दुकानों पर बाल श्रमिक पाए जाने पर दुकान संचालक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएं। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया ने अवैध रूप से गोवंश परिवहन पर पुलिस विभाग द्वारा की गई कार्यवाहियों के संबंध में जानकारी दी। अध्यक्ष श्री रघुवंशी ने पुलिस विभाग द्वारा गोवंश संरक्षण के लिए पुलिस विभाग की कार्यवाहियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित गो तस्कर पर कड़ी कार्यवाही की जाएं। साथ ही उस पर मुकदमे की कार्यवाही पूर्ण होने तक प्रति दिन प्रति गोवंश के मान से 200 रुपए का जुर्माना वसूला जाए। बैठक में गौवंश संरक्षण के लिए विभिन्न संगठनों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी द्वारा अध्यक्ष श्री रघुवंशी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

उपार्जन केंद्रों पर सभी आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए : कलेक्टर सोनिया मीना

कलेक्टर ने मूंग उपार्जन एवं उर्वरक उपलब्धता की समीक्षा की

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने मंगलवार को मूंग उपार्जन की समीक्षा बैठक आयोजित कर जिले में संचालित खरीदी केंद्रों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने उपार्जन समिति सदस्यों को निर्देशित किया कि वर्तमान वर्षा की स्थिति एवं आगामी मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए सभी खरीदी केंद्रों पर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी केंद्रों पर हम्मालों की सक्रियता बढ़ाई जाए ताकि उपज की तुलाई में में किसी भी प्रकार से अवरोधित न हो। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन के दौरान सभी केंद्रों का सतत निरीक्षण किया जाए तथा समितियों को उपार्जन नीति एवं अन्य निर्देशों से अद्यतन रखा जाए।

उन्होंने यह भी भी निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन आदि आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में संग्रहित रखी जाएं। कलेक्टर ने जिला विपणन अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी उपार्जन केंद्रों तक बारदाने की आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा न आए और इसकी निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि, डीआरसीएस एवं जिला विपणन अधिकारी को वीसी के माध्यम से सर्वेयर्स की समीक्षा करने तथा उन्हें उपार्जन प्रक्रिया के लिए और अधिक प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। पूर्व वर्षों में भंडारित मूंग उपार्जन केंद्रों के वेयरहाउस की सूची भी तैयार करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में खाद एवं उर्वरक की उपलब्धता की भी विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर ने जिला विपणन अधिकारी को निर्देश दिए की निरंतर रूप से शासन स्तर तक पत्राचार किया जाए जिससे कि नियमित रूप से जिले में खाद की निर्बाध आपूर्ति सुचारू रहे। बैठक के दौरान उप संचालक कृषि श्री जेआर हेडाउ, जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू, जिला विपणन अधिकारी श्री देवेन्द्र यादव सहित अन्य समिति सदस्य उपस्थित रहे।

युवा संगम में 121 युवाओं को जोड़ा गया रोजगार और स्वरोजगार से

सिलवानी में जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिले के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार 08 जुलाई को सिलवानी में जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, शासकीय आईटीआई और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संयुक्त रूप से सिलवानी जनपद पंचायत परिसर में आयोजित इस युवा संगम कार्यक्रम का सिलवानी नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेशू विभोर जैन द्वारा शुभारंभ किया गया। इस युवा संगम कार्यक्रम में शासन की मंशानुसार युवाओं को स्वरोजगार एवं रोजगार से जोड़ने हेतु विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों को प्रतिभाग कराया गया। कपनियों द्वारा उनके मापदण्ड अनुसार युवाओं का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया गया। शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बैंको द्वारा पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, सामाजिक न्याय विभाग द्वारा भी कार्यक्रम में आए युवाओं की काउन्सलिंग की गई तथा शिविर के माध्यम से स्वास्थ परीक्षण भी किया गया। साथ ही उपस्थित हितग्राहियों नशामुक्ति हेतु शपथ दिलायी गई। युवा संगम कार्यक्रम में विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के हितग्राहियों को स्वरोजगार की स्थापना हेतु ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इस युवा संगम कार्यक्रम में 245 युवाओं द्वारा पंजीयन कराया गया तथा 121 युवाओं को रोजगार/स्वरोजगार से जोड़ा गया।

इस युवा संगम में नवभारत फर्टीलाईजर, शिवशक्ति एग्रोटेक लिमिटेड भोपाल, होम हेल्प सेन्टर रायसेन, यशश्वी ग्रुप भोपाल, टेस्ला ट्रांसफार्मर मण्डीदीप कमर्शियल भोपाल, आरसेटी रायसेन एवं अन्य कम्पनियों द्वारा भाग लिया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री पीसी शाक्य, जनपद सीईओ सुश्री नीलम रायकवार द्वारा युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोडने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। इस कार्यक्रम में जिला रोजगार अधिकारी श्री एबी खान, प्रबंधक अग्रणी बैंक रायसेन श्री प्रताप सिंह, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र श्री हंसराज चौधरी, जिला प्रबंधक कौशल आजीविका मिशन श्री राजेन्द्र सिंह रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

कुपोषित बच्चों को एनआरसी वार्ड में मिल रही सुविधाएं

विदिशा (निप्र)। कुपोषित बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालने के उद्देश्य से एनआरसी वार्ड में भर्ती बच्चों को अच्छी सुविधा मिल रहे हैं। साथ ही एनआरसी वार्ड में अच्छी देखभाल और पोषण आहार के साथ-साथ नियमित फॉलोअप मिलने से 48 माह की बालिका अभिज्ञा का वजन बढ़ा है और अब वह मेम श्रेणी में आ गई हैं। आईसीडीएस विदिशा शहरी के आंगनवाड़ी केन्द्र 148 पर बालिका अभिग्या वाजपेयी का नाम दर्ज है। बालिका की माता शिल्पा बाई वाजपेयी एवं पिता आलोक वाजपेयी है बालिका की उम्र 48 माह है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीस खटीक ने मई माह 2025 में जब बालिका का वजन हाईट लिया तो वजन 12 किलो एवं लम्बाई 101 सेमी पायी।

वीवीएम की छात्राओं ने सिकल सेल एनीमिया विषय पर तीन माह का किया गहन शोध

बैतूल (निप्र)। विवेकानंद विज्ञान महाविद्यालयबैतूल की बीएससी जूलॉजी चौथे वर्ष की 7 छात्राओं की टीम ने सिकल सेल एनीमिया जैसे गंभीर अनुवांशिक रोग पर तीन माह का गहन शोध (रिसर्च प्रोजेक्ट) पूरा कर समाज और स्वास्थ्य विज्ञान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि इस रिसर्च प्रोजेक्ट का विषय एडवांस रिसर्च ऑन सिकल सेल एनीमिया था। छात्राओं द्वारा ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया की वास्तविक स्थिति को समझने, मरीजों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को जानने और इस बीमारी की पहचान, लक्षण, जाँच, उपचार और रोकथाम के उपायों का विश्लेषण करने के उद्देश्य से यह रिसर्च की गई। इस रिसर्च के अंतर्गत छात्राओं ने न केवल पुस्तक और दस्तावेजों के माध्यम से अध्ययन किया, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर सिकल सेल से पीड़ित मरीजों से प्रत्यक्ष रूप से संवाद भी किया। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनकी दैनिक परेशानियाँ, दर्द के दौरे स्कूल और नौकरी में आने वाली समस्याएँ तथा समय पर इलाज न मिलने की वजह से होने वाले संकट को समझा। इस रिसर्च में कुमारी अंजली पवार, कुमारी दीक्षा साहू, कुमारी निकिता साहू, कुमारी रश्मि उइके, कुमारी शिवानी वाधवाने, कुमारी मुस्कान साहू तथा कुमारी प्रिया सम्मिलित रहीं।यह शोध कार्य जिला सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. अंकिता सिते के मार्गदर्शन और सतत निगरानी में सम्पन्न हुआ। उन्होंने छात्राओं को पाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग विधि, स्लाइड तकनीक, परिवार वृक्ष विश्लेषण और आनुवंशिक परामर्श का भी प्रशिक्षण दिया। इस रिसर्च कार्य में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णा खसदेव, एचओडी श्री एस.आर. गायकवाड, प्रोफेसर डॉ. उज्जवल पांसे, प्राध्यापिका श्रीमती पिंकी मोटवानी एवं श्रीमती शैलजा परिहार का विशेष योगदान रहा। शोध पूर्ण होने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे, और आरएमओ डॉ. रानू वर्मा ने छात्राओं को बधाई दी और कहा कि यह रिसर्च जिले में सिकल सेल के खिलाफ जागरूकता फैलाने और पीड़ितों के जीवन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। इस अवसर सीएमएचओ डॉ हुरमाड़े ने कहा कि यह रिसर्च छात्राओं के लिए सिर्फ एक अकादमिक अभ्यास नहीं था, बल्कि एक मानवीय अनुभव था, जिसमें उन्होंने महसूस किया कि कैसे यह बीमारी जीवन को सीमित कर देती है। उनका यह अध्ययन आने वाले समय में स्वास्थ्य योजनाओं, सिकल सेल स्क्रीनिंग और रोग नियंत्रण नीतियों में उपयोगी साबित होगा।

स्वरोजगार की राह पर नर्मदापुरम के युवा तिनेश्वर सिंह

नर्मदापुरम (निप्र)। मन में अगर कुछ कर गुजरने की ललक हो तो कोई भी बाधा आपके रास्ते नहीं रोक सकती है। नर्मदापुर जिले के एक युवा ने भी अपनी मेहनत और कर्मठता के बल पर अपना रोजगार स्थापित कर सफलता के नए आयाम स्थापित किए है। जिसमे राज्य शासन की संत रविदास स्वरोजगार योजना ने उनका सपना साकार करने में सहायता की। जिले के युवा तिनेश्वर सिंह ने अपने प्रयासों और शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाये हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन की संत रविदास योजना के अंतर्गत 22 लाख 50 हजार रुपये की ऋण राशि प्राप्त कर ग्रेनाइट एवं बिल्डिंग मटेरियल का व्यवसाय स्थापित किया है।

संत रविदास स्वरोजगार योजना, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए शुरू की गई एक योजना है। इस योजना के तहत, विनिर्माण इकाइयों के लिए 1 लाख रुपए से 50 लाख रुपये और सेवा/खुदरा व्यापार परियोजनाओं के लिए 1 लाख रुपए से 25 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाता है। तिनेश्वर सिंह ने इस योजना के माध्यम से न केवल स्वयं का रोजगार सृजित किया बल्कि अन्य युवाओं को भी रोजगार के अवसर प्रदान कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से उन्हें अपने व्यवसाय को गति देने में बड़ा सहयोग मिला।

सड़क पर विचरण करने वाले निराश्रित पशुओं को गौशाला भिजवाएं

कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

हरदा (निप्र)। नगरों व विकासखण्डों में सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित पशुओं को गौशाला भिजवाने की व्यवस्था करें। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में एनाउन्समेंट के माध्यम से सभी पशु पालकों को इस संबंध में सूचित करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा कि यदि इस कार्य में कोई समस्या आती है तो मॉनिटरिंग कर उसका निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का संतुष्टीपूर्वक निराकरण करें तथा सीएम हेल्पलाइन के निराकरण के मामले में अपनी रैंक सुधारें। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय, श्री संजीव कुमार नागु, एसडीएम श्री कुमार शानु देवड़िया, श्री महेश बड़ोले व श्री अशोक डेहरिया सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

अधीनस्थ कार्यालयों में सार्थक एप के माध्यम से उपस्थित दर्ज कराएं

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि सभी अधिकारियों अपने अधीनस्थ कार्यालयों में सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करना सुनिश्चित करें। उन्होने अधिकारियों को ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत पौधरोपण करने के निर्देश दिए। सभी अधिकारी रोस्टर के आधार पौधरोपण की योजना तैयार कर पौधरोपण कराएं। लगाए गए पौधों के साथ फोटो खींचकर वायुदूत एप पर अपलोड किया जाए। उन्होने कहा कि लगाए गए पौधों की पर्याप्त देखभाल भी की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने वर्षा के मौसम में मच्छरजनित बिमारियों की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी नगर पालिका अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में फॉगिंग कराने के निर्देश दिये।

कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू करें

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने सभी एसडीएम को अपने-अपने कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने के निर्देश भी दिये। उन्होने शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर तथा कुपोषण की स्थिति में अब तक हुए सुधार की स्थिति की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग तथा महिला बाल विकास के अधिकारियों को अनमोल एप तथा पोषण ट्रेकर एप के डाटा में एकरूपता लाने के निर्देश दिये। उन्होने कृषि विभाग के अधिकारियों को मूंग उपार्जन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिए कि शासकीय प्रयोजनों जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अस्पताल, छात्रावास, कॉलेज एवं अन्य शासकीय भवन बनाने के लिए यदि भूमि की आवश्यकता है तो सभी एसडीएम तत्काल भूमि आवंटन करने की प्रक्रिया प्रारंभ करें और प्राथमिकता से भूमि आवंटित करें। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने सभी एसडीएम व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अवैध कॉलोनियों का निरीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई में 130 आवेदन प्राप्त

शाजापुर (निप्र)। मुख्यमंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत आज संपन्न हुई जनसुनवाई में 130 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री बीएस सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले ने भी जनसुनवाई में आए आवेदकों की समस्याओं का निराकरण किया। इस अवसर कर विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

जिला अस्पताल में 'सुरक्षित मातृत्व दिवस' मनाया गया

खण्डवा (निप्र)। श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय में बुधवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल ने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी गर्भवती माताओं की स्क्रीनिंग कर एनीमिया, डायबिटीज, हीमोग्लोबिन, यूरीन, एल्बुमिन, ब्लड प्रेशर, मलेरिया, एच.आई.वी., ब्लड शुगर आदि सभी तरह की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया। इस दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा सभी की सोनोग्राफी की गई। कार्यक्रम में नर्सिंग ऑफिसर निकिता भास्कले द्वारा उपस्थित सभी महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया। इस अवसर पर नर्सिंग ऑफिसर दीपमाला, रंजीता पटले सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सैनिकों का मासिक सम्मेलन सम्पन्न

इन्दौर (निप्र)। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी इंदौर में जिले के सैनिकों, वीरनारियों, सैनिक विधवाओं एवं आश्रितों हेतु मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर श्री नगेश चंद्र मालवीय (सेवानिवृत) ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को संबोधित किया एवं उनकी समस्याओं का निराकरण किया। साथ ही साथ शासन की विभिन्न कल्याण योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी ।सम्मेलन के दौरान पूर्व सैनिकों ने भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना में होने वाली परेशानी एवं इंदौर तथा आस पास के जिलों में अनुबंधित अस्पतालों की संख्याओं की कमी का जिक्र किया एवं इसका हल निकालने की गुजारिश की। इसके अलावा स्पर्श पेंशन वेबसाइट तथा रिकार्डस ऑफिस में पेंशन से संबंधित वाली समस्याओं के बारे में चर्चा की। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी श्री नगेश चंद्र मालवीय (सेवानिवृत) ने संबंधित अधिकारियों एवं विभागों से मिलकर समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। जिला सैनिक कल्याण कार्यालयकेअधिकारी के अलावा विंग कमांडरश्रीडी.पी. तिवारी (सेवानिवृत) एवं कल्याण संयोजक आनरेरी कैप्टन श्री रघुवर दत्त शर्मा ने सम्बोधित किया।

वाहनों की सघन चेकिंग कार्यवाही में 3 हजार रूपये शमन शुल्क राशि वसूल की

शाजापुर (निप्र)। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना द्वारा दिए गए निर्देश के परिपालन में परिवहन विभाग द्वारा शाजापुर क्षेत्र में स्कूली वाहन एवं यात्री वाहन बस, मैजिक आदि वाहनों की सघन चेकिंग कार्यवाही की गई। चेकिंग के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, फायर फाइटर फर्स्ट एड बॉक्स इमरजेंसी गेट कैमरा आदि चेक किए गए। जिसमें एक वाहन को जप्त किया जाकर लालघाटी थाना की अभिरक्षा में रखा गया एवं 3 हजार रूपये शमन शुल्क राशि वसूल की गई। चेकिंग कार्यवाही निरंतर जारी है।

सीईओ जिला पंचायत के द्वारा आयुष्मान कार्ड वितरण की समीक्षा बैठक की गई

उज्जैन (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह के द्वारा बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण में तेजी लाने पर जोर, 70 वर्ष से अधिक आयु वालों एवं क्व्रुष्ठङ्क श्रमिकों को प्राथमिकता में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्ड निर्माण कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।बैठक में सीईओ श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए कि 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं क्व्रुष्ठङ्क (निर्माण श्रमिक कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों) के कार्ड निर्माण को शीघ्रता एवं प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। इन वर्गों में कार्ड निर्माण की स्थिति संतोषजनक न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे ग्राम स्तर पर लंबित हितग्राहियों की सूची तैयार करें और 卐वन–टू–वन अप्रोच卐 अपनाकर कार्ड निर्माण सुनिश्चित करें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा विशेष श्रेणियों के हितग्राहियों को योजना का लाभ मिलना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से है। अत: हर विकासखंड में नियमित समीक्षा एवं मॉनिटरिंग की जाए तथा कार्य में लापरवाही न हो।

एस.एन.सी.यू. में बेहतर उपचार से स्वस्थ हुए प्री मेच्योर जुड़वां बच्चे

खण्डवा (निप्र)। पुनासा निवासी नेहा अंजुम पति नदीम खान ने जिला चिकित्सालय खण्डवा में जून माह में प्री मेच्योर जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। समय से पूर्व प्रसव होने के कारण दोनों बच्चों का वजन मात्र 1.2 किलोग्राम व 1.5 किलोग्राम था, इस कारण उन्हें जिला अस्पताल के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई एस.एन.सी.यू में भर्ती कराया गया। एस.एन.सी.यू में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कृष्ण वास्केल की सतत निगरानी में उनकी टीम ने उपचार किया। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. वास्केल बताते हैं कि दोनों बच्चे समय से पूर्व जन्म होने के कारण बच्चों में संक्रमण की संभावना थी तथा उन्हें सांस लेने में काफी परेशानी हो रही थी। इस कारण से दोनों बच्चों को सी–पेप की मदद से ऑक्सीजन देकर उनका ऑक्सीजन लेवल नियंत्रित किया गया। धीरे धीरे दोनों बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार होने लगा। बच्चों के स्वस्थ होने पर 5 जुलाई को उन्हें एसएनसीयू से डिस्चार्ज कर दिया गया है। नवजात शिशुओं की माता नेहा अंजुम बताती हैं कि बच्चे बहुत कमजोर होने के कारण एस.एन.सी.यू. के डाक्टर व स्टाफ के द्वारा बच्चों की बेहतर निगरानी की गई और अब दोनों बच्चे पूरी तरह से स्वस्थ हैं। नेहा व नदीम अपने बच्चों के बेहतर उपचार के लिए डॉक्टर्स के साथ साथ नर्सिंग स्टाफ की भी सराहना करते हैं।

सभी शासकीय भवनों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं : कलेक्टर

खण्डवा (निप्र)। सभी जिला अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उनके अधीनस्थ कार्यालय के भवनों की छतों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम समय सीमा में लग जाएं। पहले चरण में सभी शासकीय भवनों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं तथा अगले चरण में अशासकीय भवनों में संचालित शासकीय कार्यालय, अधिकारी कर्मचारियों के शासकीय और अशासकीय आवासों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाना सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के.आर. बडोले और श्री अरविंद चौहान, एसडीएम पुनासा श्री शिवम प्रजापति, सहायक कलेक्टर श्री कृष्णा सुशीर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

जलकर वसूली के लिए व्यवस्था करें, हैंडपंपों के आसपास सोखता गड्ढे बनवायें : कलेक्टर श्री गुप्ता ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि विभिन्न पंचायतों में संचालित जल जीवन मिशन की पेयजल योजनाओं के उपभोक्ताओं से जलकर की वसूली नियमित रूप से की जाए। उन्होंने कहा कि बिना जलकर की वसूली के योजनाओं का संचालन संधारण मुश्किल होगा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को सभी हैंडपंपों के आसपास सोखता गड्ढे बनाने के संबंध में भी निर्देश दिए ताकि भूजल स्तर बढ़े तथा हैंडपंपों के आसपास गंदा पानी जमा न हो। उन्होंने उप संचालक कृषि को जिले में किसानों के लिए उर्वरक उपलब्धता की आगे से आगे तैयारी रखने के संबंध में निर्देश दिए।

ई-केवाईसी, फार्मर रजिस्ट्री और आयुष्मान पंजीयन के कार्य में गति लाएं : कलेक्टर श्री गुप्ता ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर निगम आयुक्त और सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि ई-केवाईसी और आयुष्मान भारत योजना के पंजीयन पर विशेष ध्यान दें।

10 वर्ष तक की सभी बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाएं : कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला कार्यक्रम अधिकारी और शिक्षा विभाग के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश दिए कि 10 वर्ष से कम आयु की प्रत्येक बालिका का सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया जाए। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष से कम आयु की कोई भी बालिका सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ लेने से छूट न जाए, यह सुनिश्चित करें। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जिले में अभी तक 6819 बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खाता खुलवाये जा चुके हैं।

विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू करें : कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए कि कक्षा 1 में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू करें। उन्होंने ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत पौधारोपण करने के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि स्कूल परिसरों में अब तक 6714 पौधे लगाए जा चुके हैं।

सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम प्राथमिकता से लागू करें : कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने कार्यालय में ई-ऑफिस सिस्टम प्राथमिकता से लागू करें तथा सभी फाइलें ई-ऑफिस के माध्यम से ही भेजें। बैठक में बताया गया कि अभी तक आबकारी विभाग, सहकारिता विभाग, डाइट, नगर एवं ग्राम निवेश विभाग, खनिज विभाग, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नापतौल विभाग, ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण तथा अभियोजन विभाग के खंडवा कार्यालय ने ई-ऑफिस सिस्टम से फाइल भेजना शुरू नहीं किया है।

संयुक्त दल की चलित लैब से जांच एवं नमूना कार्यवाही

शाजापुर (निप्र)। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देशानुसार गत दिवस 08 जुलाई 2025 को शुजालपुर बस स्टेण्ड क्षेत्र के 5 प्रतिष्ठानो से 25 नमूनो को चलित लैब से प्राथमिक जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री एमके वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यवाही में 11 अमानक एवं 14 मानक स्तर के पाए गए। एमएफटीएल की प्राथमिक जांच में कमियों रिपोर्ट के आधार पर सैंपल संग्रहण की कार्यवाही की गई। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से प्राथमिक जांच में अवमानक पाए जाने से मेसर्स श्री राजस्थानी स्वीट्स एवं नमकीन से मावा कतली एवं केसर बर्फी, श्री राजस्थानी गृह उद्योग से सेव मिर्ची, मीठा मावा, संतुष्टि गुरुकृपा होटल से पनीर एवं लौंग सेव, रूट्स द जंगल कैफे से पनीर, काजू टुकडी, पिज़्ज़ा बेस, नीलेश स्वीट्स से मावा बर्फी एवं कचौरी सहित कुल 11 नमूने संग्रहित कर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे हैं। उक्त् कार्यवाही में कस्बा पटवारी श्री विक्की छाबडा, श्री के.एल. कुम्भकार, एमएफटीएल केमिस्ट श्री दीपक पाटनी शामिल थे।खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री वर्मा ने बताया कि इसी तरह विगत दिनों 7 जुलाई 2025 को शाजापुर बस स्टैंड क्षेत्र के 6 प्रतिष्ठानों जिसमें सम्राट लस्सी एवं आईसक्रीम, यादव उपहारगृह, श्री ओम स्वीट्स एंड नमकीन, मां कृपा रेस्टोरेंट, आनन्द जूस एंड कोल्डड्रिंक्स, श्री वैष्णव कैंटीन से 20 नमूनों की चलित लैब (एमएफटीएल) से प्राथमिक जांच की गई।

जलकर की वसूली करें, जल स्त्रोतों के पास जल पुनर्भरण संरचनाएं बनवाएं

खण्डवा (निप्र)। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने मंगलवार को पंधाना जनपद पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में पंधाना विकासखंड क्षेत्र में संचालित ग्रामीण विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, जनपद अध्यक्ष पंधाना श्रीमति सुमित्रा काले, सहायक कलेक्टर श्री कृष्णा सुशीर, एसडीएम सुश्री दीक्षा भगोरे व जनपद पंधाना के सीईओ सहित विकासखंड के सभी पंचायत सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायक भी मौजूद थे।

पंचायत सचिव व ग्राम रोजगार सहायक मुख्यालय पर ही रहें : बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने उपस्थित पंचायत सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायकों को निर्देश दिए कि आधार और समग्र लिंकिंग के माध्यम से ई -केवाईसी का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी सचिवों व रोजगार सहायकों को निर्देश दिए कि वह अपने मुख्यालय पर रहें। उन्होंने कहा कि यदि वे अपने मुख्यालय पर नहीं रह सकते तो विकासखंड के ही किसी अन्य पास के गांव में निवास करें। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यदिवसों में पंचायतों में बैठे और ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करें।

हर पक्की छत पर लगवाएं रूफवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम : कलेक्टर श्री गुप्ता ने पंधाना ब्लॉक के ग्राम रोजगार सहायक और पंचायत सचिवों से कहा कि जल शक्ति अभियान में हमारा जिला प्रथम स्थान पर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रथम स्थान की रैंक को बरकरार रखने के लिए आगे भी लगातार अच्छा कार्य करना होगा। उन्होंने सभी पंचायत सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों को निर्देश दिए कि प्रथम चरण में 31 जुलाई तक हर शासकीय भवन की पक्की छत पर रूफवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं। द्वितीय चरण में सभी शासकीय भवनों के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों के पक्के मकान तथा जनप्रतिनिधियों और पंचायत पदाधिकारियों के मकानों की पक्की छत पर भी 31 दिसंबर तक रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं, ताकि वर्षा के पानी की एक-एक बूंद जमीन में समाकर भूजल स्तर को बढ़ाए। तृतीय चरण में पेट्रोल पंप व निजी नर्सिंग होम जैसे कमर्शियल भवनों की छतों पर भी रूप वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का कार्य 31 दिसंबर तक पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत में 5 मत्स्य पालकों को मछली पालन के लिए तैयार करें और ग्रामीण तालाबों में मछली पालन का कार्य करें जिससे ग्रामीणों की आय भी बढ़ेगी और पोषण के स्तर में सुधार भी होगा। उन्होंने कहा कि 30 जून, 2026 तक प्रत्येक पक्की छत पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं।

हितग्राही राशि लेकर भी कार्य न कराए तो धारा 92 का नोटिस देकर वसूली करें : कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि नल जल योजना के नलों में टोंटी अवश्य लगवाएं। यदि कोई ग्रामीण टोंटी नहीं लगवाता है और उसके कारण पानी व्यर्थ बहता है तो उस पर अर्थदंड की कार्रवाई करें और सुनिश्चित करें कि पानी की बर्बादी किसी भी स्थिति में ना हो। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि रोजगार गारंटी योजना के कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि जो हितग्राही राशि लेकर कार्य नहीं कर रहे हैं, उन्हें धारा 92 का नोटिस देकर वसूली की कार्यवाही करें।

देवी अहिल्या श्रमिक कामगार गृह निर्माण सहकारी संस्था की वरियता सूची करें जल्द फाइनल

इन्दौर (निप्र)। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये है कि देवी अहिल्या श्रमिक कामगार गृह निर्माण सहकारी संस्था के सदस्यों की पात्रता और अपात्रता का निर्धारण कर वरियता सूची जल्द फाइनल की जाये। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देशित किया है कि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर पूर्ण करें। कलेक्टर श्री सिंह से आज उक्त संस्था से संबंधित सदस्य जनसुनवाई में मिले थे और अपनी समस्या बताई तथा जल्द से जल्द संस्था की वरियता सूची प्रकाशित करवाने का आग्रह किया।

कलेक्टर कार्यालय में आज जनसुनवाई सम्पन्न हुई। इसमें भूमि और प्लॉट संबंधी आवेदन भी बड़ी संख्या में आये। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि भू-माफियाओं के विरूद्ध इंदौर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। अनियमितताएं और प्लॉट धारकों के साथ धोखाधड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने अनेक मामलों में दूरभाष पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर कार्यवाही के निर्देश दिये। जनसुनवाई में उन्होंने नागरिकों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका संवेदनशीलता के साथ हाथों-हाथ निराकरण किया। ऐसी समस्याएं जो मौके पर निराकृत नहीं हो सकी, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई।

जनसुनवाई में आवास, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, निजी भूमि पर अतिक्रमण, बीमार व्यक्ति को आर्थिक सहायता आदि संबंध में आवेदन आयें। जनसुनवाई में प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष प्रकरणों को तय समय-सीमा में निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही जरूरतमंदों को इलाज, शिक्षा एवं रोजगार सहायता भी प्रदान की गई। निर्देश दिए गये कि जो प्रकरण मौके पर निराकृत नहीं हो सकते, उन्हें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कर, समय-सीमा में सकारात्मक समाधान किया जाए।

जनसुनवाई में आए हर आवेदन का फॉलोअप सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि किसी भी आवेदक को दोबारा परेशानी का सामना न करना पड़े। त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों एवं मध्यस्थता केंद्रों को प्रेषित किए गए है ताकि निर्धारित समय-सीमा में इनका निराकरण हो सकें। जनसुनवाई में आज कलेक्टर कार्यालय में अपर कलेक्टरों और अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदकों की समस्याओं को सुना गया और उनका निराकरण किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

देवास (निप्र)। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने जनसुनवाई में आये आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत सुश्री ज्योति शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रिया चंद्रावत सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

जनसुनवाई में आवेदिका सोनू वेध पिता हरिश वेध निवासी देवास ने बीपीएल सूची में नाम दर्ज कराने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

जनसुनवाई में सुनवानी कराड के निवासियों ने शासकीय नाली से अतिक्रमण हटवाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये। जनसुनवाई में आवेदक आर.बी. पटेल निवासी देवास ने बिजली बिल खपत पर छुट दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

जनसुनवाई में आवेदिका सोनल दोषी निवासी देवास ने स्कूल से पुत्र की टी.सी. दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त

जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

समस्या हल हुई, तो बच्चे ने जनसुनवाई में ही बांटी मिठाई

खण्डवा (निप्र)। शासन के निर्देश अनुसार सभी कार्यालयों में मंगलवार को प्रातः 11 बजे से ÷जनसुनवाई÷ कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याएं सुनी जाती हैं, और अधिकारीगण उनका मौके पर ही निराकरण का प्रयास करते हैं। पिछले मंगलवार को जिले के ग्राम सुरगांव जोशी निवासी 14 वर्षीय बालक स्वराज सांवले ने कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता को आवेदन देकर अपने आधार पंजीयन में जन्मतिथि गलत होने की समस्या बताते हुए आधार कार्ड में सही जन्मतिथि अंकित कराने का अनुरोध किया था। जिस पर कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले के ई-गवर्नेंस मैनेजर श्री अनिल चंदेल को निर्देश देकर अगली जनसुनवाई से पहले बालक स्वराज के आधार कार्ड में जन्मतिथि सुधार कर आधार अपडेट कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री गुप्ता के निर्देश पर बालक के आधार पंजीयन में जन्मतिथि सही अंकित हो गई और उसे नया आधार कार्ड मिल गया। आज कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में बालक स्वराज ने कलेक्टर श्री गुप्ता को अपना नया आधार कार्ड दिखाकर धन्यवाद दिया। स्वराज अपने नए आधार कार्ड के साथ मिठाई का डिब्बा लेकर भी आया था।

धरती आबा अभियान में वन विभाग द्वारा कोई कार्य नहीं करने पर एसडीओ देवास को शोकाज नोटिस देने के निर्देश

देवास (निप्र)। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री ज्योति शर्मा, एसडीएम टोंकखुर्द श्री संजीव सक्सेना, एसडीएम सोनकच्छ श्रीमती प्रियंका मिमरोट, सयुंक्त कलेक्टर श्रीमती प्रिया चंद्रावत, डिप्टी कलेक्टर श्री अभिषेक शर्मा सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअल शामिल हुए।

कलेक्टर श्री सिंह कहा कि हाइवे और सड़कों पर बैठ रहे गौवंश को नजदीकी गोशाला में पहुंचाये। गौवंश को हाइवे और सड़कों से हटाने के लिए नगर निगम देवास, नगरीय निकाय, जनपद पंचायत और पशु पालन विभाग दल का गठन करें। इसके लिए नोडल अधिकारी भी बनाये, जो सभी संबंधित विभागों से समन्वय करेगा। इसके लिए कंट्रोल रूम भी बनाए जो कि 24X7 कार्य करें। गौशाला में रखी गई गायों को बिना पैनल्टी लिए नहीं छोड़े। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सोनकच्छ और टोंकखुर्द क्षेत्र में हाईवे पर गौवंश बैठे नहीं दिखना चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विशेष रूप से कार्य करें। गौवंश पर रेडियम लगाने का कार्य भी करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने ÷धरती आबा अभियान÷ के तहत लगाए गए शिविर और हितग्राहियों को दिये गए हितलाभ की जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि अभियान के तहत लगाए गए शिविरों में 9252 हितग्राहियों को लाभ दिया गया। अभियान के तहत खातेगांव में अच्छा कार्य नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की। धरती आबा अभियान में वन विभाग द्वारा कोई कार्य नहीं करने पर एसडीओ फॉरेस्ट देवास श्री संतोष शुक्ला को शोकाज नोटिस जारी करने को निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि निजी स्कूलों में सिलेबस की जांच के लिए दल बनाये। स्कूलों में जाकर कक्षा 01 से 12वीं तक के बच्चों के सिलेबस को देखें। सिलेबस एनसीआरटी से कितना अलग है देखे और कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि शिक्षा विभाग की स्थापना की शाखा की जांच दल बनाकर करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रसव के लिए नागरिकों को जागरूक करें। स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग मॉनिटरिंग मैकेनिज्म डेवलप करें। जिस क्षेत्र में मृत्यु दर अधिक है उन्हें आइडेंटिफी कर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाए जानकारी जिला मुख्यालय पर भेंजे। एएनसी की रिपोर्ट हर टीएल में दिखाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में बच्चों के किए जा रहे टीकाकरण की प्रगति की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि समय पर सभी बच्चों का टीकाकरण करें। जिले में शत-प्रतिशत बच्चों का टीकाकरण करें। उन्होंने सैम और मैम बच्चों की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि किलकारी अभियान के तहत बच्चों अस्पताल में भर्ती कर कुपोषण से मुक्त करें। उन्होंने किलकारी अभियान की प्रगति की समीक्षा भी की।

कलेक्टर श्री सिंह ने टेक होम राशन वितरण, आंगनवाड़ी केंद्रों में 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों को मिलने वाले गरम पका भोजन की स्थिति की समीक्षा पोषण ट्रेक डेशबोर्ड पर की। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि बच्चों को आंगनवाड़ी में आते ही सुबह 09 बजे नास्ता मिलना चाहिए। नास्ता और खाना एक साथ नहीं आना चाहिए। नास्ता और खाना एक साथ देने पर संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने ट्राइवल के छात्रावासों और आश्रम में विद्यार्थियों का शतप्रतिशत प्रवेश नहीं होने पर संबंधित जनशिक्षक और प्रिंसिपल को नोटिस दें। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में की जा रही समग्र द्र-द्म4ष की समीक्षा कर निर्देश दिए कि जुलाई माह में शत प्रतिशत नागरिकों की समग्र द्र-द्म4ष करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने डॉ भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की समीक्षा कर पशु पालन विभाग और दुग्ध संघ के अधिकारियों को योजना के सफल कियान्वयन के संबंध में निर्देश दिए। अविरला निर्मल नर्मदा योजना तहत वन विभाग द्वारा किये जा रहे पौधरोपण की जानकारी लेकर अधिक से अधिक पौधों का रोपण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में लम्बित भूमि आवंटन प्रकरणों की समीक्षा कर शीघ्र भूमि आवंटन की कार्यवाही के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम और मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना का लाभ अधिक से अधिक युवाओं को दें।

संपादकीय

व्यवस्था की नाकामी

बिहार के पूर्णिया में तंत्र-मंत्र के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया। यह घटना राज्य की कानून-व्यवस्था के लिए जितनी चिंताजनक है, उतनी की शर्मनाक है शिक्षा व्यवस्था के लिए। जब भारत स्पेस में कदम रख संभावनाओं के नए दरवाजे खोल रहा है, तब इस तरह की वारदात बताती हैं कि समाज का एक तबका कितने गहरे अंधविश्वास में डूबा हुआ है। पीड़ित परिवार की एक महिला झाड़-फूंक करती थी। जब कुछ दिनों पहले गांव के एक बच्चे की मौत बीमारी के बाद हुई, तो लोगों का शक उस महिला और उसके परिवार पर गया। रिपोर्ट्स बताती हैं कि पहले भी इस गांव में कुछ लोगों की जान बीमारी से गई थी। लेकिन, लोगों को लगा कि इन सबके पीछे वही पीड़ित परिवार है। पहले पंचायत हुई और फिर भीड़ ने नृशंसता दिखाते हुए वारदात को अंजाम दिया। यह स्थिति तब है, जब राज्य में लॉ एंड ऑर्डर बड़ा मुद्दा बना हुआ है - पटना में बिजनेसमैन गोपाल खेमका की हत्या के बाद से सरकार अपनी छवि बचाने की कोशिश में है। पूर्णिया बिहार के सबसे पिछड़े जिलों में आता है। घटना जिस टेटगामा गांव में हुई, वह आदिवासियों का है। यहां के लोग अगर आज भी झाड़-फूंक के चक्करों में फंसे हुए हैं और जादू-टोने पर भरोसा करते हैं, तो इसके पीछे पिछड़ापन और अशिक्षा दोनों है। केंद्र की स्कूल एजुकेशन रिपोर्ट यूडीआईएसई प्लस से पता चलता है कि आधुनिक शिक्षा को छोड़ दीजिए, बेसिक सुविधाओं के मामले में भी बिहार के स्कूल बाकी देश से बहुत पीछे हैं। राज्य के केवल 19.6 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर हैं, जबकि महज 12.1प्रतिशत स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम। देश में ड्रॉपआउट यानी बच्चों के स्कूली पढ़ाई छोड़ने की दर सबसे ज्यादा बिहार में है, 9-10वीं में 25प्रतिशत से भी ज्यादा। ढाई हजार से अधिक स्कूल केवल एक टीचर के भरोसे चल रहे हैं। जादू-टोने का लोगों के जीवन में दखल इसलिए भी है क्योंकि स्वास्थ्य व्यवस्था खुद बीमार है। पिछले साल आई छ्त्त की रिपोर्ट बताती है कि पूर्णिया के सरकारी अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ की 72 प्रतिशत कमी है। वैसे, पूरे बिहार में एक डॉक्टर के भरोसे 2,148 मरीज हैं। स्वास्थ्य विभागों में 49 प्रतिशत पद खाली हैं। ऐसे में पूर्णिया की घटना पूरे सिस्टम की नाकामी है और इसकी जिम्मेदारी सभी को लेनी होगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन इस क्रांति की आधारशिला रहा है, जिसने स्वास्थ्य-तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ मातृ और शिशु मृत्यु दर कम करने; बीमारियों से लड़ने और सभी को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं दिलाने में सहायता की। सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक मजबूत कदम के रूप में, 1.77 लाख से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले गए हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के और करीब पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इन केंद्रों पर अब तक 427.57 करोड़ पेशेंट विजिट, 5.5 करोड़ वेलनेस सेशन और 36.64 करोड़ टेली-कंसल्टेशन संपन्न हो चुके हैं। ई-संजीवनी और टेली-मानस जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने दूर-दराज के लोगों को भी विशेषज्ञ डॉक्टरों से जोड़ दिया है। एनएचएम के तहत लक्षित प्रयासों की वजह से मातृ और शिशु स्वास्थ्य सूचकों में काफ़ी सुधार हुआ है। संयुक्त राष्ट्र मातृ मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएन-एमएमईआईजी) रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 48 फीसदी की वैश्विक औसत गिरावट से लगभग दोगुनी है।

सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती पहुंच

(जगत प्रकाश नड्डा)
केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

पिछले ग्यारह वर्षों में भारत की स्वास्थ्य-व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। यह परिवर्तन मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, अधिक फंडिंग और सभी को सस्ती, सुलभ, समान और अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देने के सरकार के संकल्प के कारण संभव हो पाया है। यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि मोदी सरकार एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिसमें हर नागरिक की भलाई को प्राथमिकता दी गई है।

2014 तक भारत को स्वास्थ्य क्षेत्र में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जिनमें आधारभूत संरचना की कमी, प्रशिक्षित मानव संसाधनों की उपलब्धता में अंतर, दवाइयों व जांच सेवाओं की सीमित पहुंच और सेवा की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे। आज समग्र देखभाल- रोकथाम, प्रोत्साहन, उपचार, पुनर्वास और गंभीर बीमारियों की देखभाल- की अवधारणा के तहत, स्वास्थ्य क्षेत्र की तस्वीर पूरी बदल चुकी है। नवाचारी कार्यक्रम, रणनीतिक निवेश व जन-केंद्रित दृष्टिकोण इस परिवर्तन की पहचान रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन इस क्रांति की आधारशिला रहा है, जिसने स्वास्थ्य-तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ मातृ और शिशु मृत्यु दर कम करने; बीमारियों से लड़ने और सभी को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं दिलाने में सहायता की। सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक मजबूत कदम के रूप में, 1.77 लाख से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले गए हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के और करीब पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इन केंद्रों पर अब तक 427.57 करोड़ पेशेंट विजिट, 5.5 करोड़ वेलनेस सेशन और 36.64 करोड़ टेली-कंसल्टेशन संपन्न हो चुके हैं। ई-संजीवनी और टेली-मानस जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने दूर-दराज के लोगों को भी विशेषज्ञ डॉक्टरों से जोड़ दिया है।

एनएचएम के तहत लक्षित प्रयासों की वजह से मातृ और शिशु स्वास्थ्य सूचकों में काफ़ी सुधार हुआ है। संयुक्त राष्ट मातृ मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएन-एमएमईआईजी) रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 48 फीसदी की वैश्विक औसत गिरावट से लगभग दोगुनी है। बच्चों के स्वास्थ्य में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। शिशु मृत्यु दर में 73 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह कमी 58 फीसदी रही।

गैर-संचारी रोगों की बढ़ती समस्या को देखते हुए अब सिर्फ इलाज नहीं, रोकथाम पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की जांच उपलब्ध हैं। मई 2025 तक, लगभग 28 करोड़ लोगों की उच्च रक्तचाप, 27 करोड़ लोगों की डायबिटीज और 27 करोड़ लोगों की ओरल कैंसर के लिए स्क्रीनिंग हुई है। बीमारियों की जल्द जांच व समय पर इलाज से अब स्वास्थ्य परिणाम बेहतर हुए हैं और रोगों का भार भी घटा है।

टीकाकरण कार्यक्रम भी लगातार मजबूत हो रहा है। 2014 के बाद से, छह नए टीके को टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत टीकाकरण का दायरा बढ़ा है। इसके अंतर्गत 5.46 करोड़ बच्चों और 1.32 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण हुआ है। एक अहम कदम के रूप में, यू-विन पोर्टल के जरिये टीकाकरण सेवाओं को डिजिटल किया गया है। हम 2026 तक खसरा-रूबेला का उन्मूलन करने के लिए भी तैयार हैं।

रोग-उन्मूलन में भी भारत ने बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। 2014 में, भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया। वहीं, 2015 में मातृ और नवजात टेटनस एवं 2024 में ट्रेकोमा का उन्मूलन भी हो चुका है। 2015 से 2023 के बीच, मलेरिया के मामलों और उससे होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई। हमने सतत विकास लक्ष्यों के तहत निर्धारित वैश्विक 2030 लक्ष्य से पहले ही वर्ष 2023 में कालजार के उन्मूलन के लिए तय मानकों को प्राप्त कर लिया है।

हमारे सामूहिक प्रयासों से टीबी उन्मूलन की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की कमी और मृत्यु दर में 21 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जिसकी पुष्टि विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2024' में की गई है। 'मिसिंग' टीबी मामलों की संख्या भी 2015 में 15 लाख से घटकर 2024 में केवल 1.2 लाख रह गई है।

परिवारों पर वित्तीय बोझ को कम करने और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए, स्वास्थ्य देखभाल के वित्तपोषण में भी सुधार किया गया है। 2014-2022 के बीच सरकारी स्वास्थ्य खर्च जीडीपी का 1.13 प्रतिशत से बढ़कर 1.84 प्रतिशत हो गया है। वहीं, लोगों की जेब से होने वाले खर्च में विशेष गिरावट आई और यह 62.6 फीसदी से घटकर 39.4 फीसदी पर पहुंच गया है। 'मुफ्त दवा और जांच सेवा' ने किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाया है। अभी 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में लैबोरेटरी सेवाएं उपलब्ध हैं, 34 राज्यों में सीटी स्कैन सुविधा है और 12 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में टेली-रेडियोलॉजी सेवा प्रदान की जा रही है। 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम' से 28 लाख से अधिक रोगी लाभान्वित हुए हैं, जिससे उनके खर्च में 8,725 करोड़ रुपये की बचत हुई है। 'पीएम जनमान' के तहत अतिरिक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट विशेष जनजातीय क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के लिए सुदृढ़ आधारभूत संरचना आवश्यक है। इसी लक्ष्य के साथ, 2021 में, 'प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन' शुरू किया गया। इसकी मुख्य पहलों में 18,802 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, 602 क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉकों व 730 जिला एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की स्थापना शामिल हैं।

मानव संसाधन, एक मजबूत स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है, जिसका इन 11 वर्षों में विस्तार रूपांतरणकारी रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने 5.23 लाख अतिरिक्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को शामिल किया है, जिनमें 1.18 लाख सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) भी शामिल हैं। इसने समुदायों के करीब गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित की है। इसके अलावा, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के माध्यम से गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

पिछले 11 वर्षों में भारत की स्वास्थ्य क्रांति ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य-सेवा की मजबूत नींव रखी है। सशक्त राजनीतिक प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, निरंतर प्रयास, नवाचार और जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, आज देश सभी के लिए सुलभ, किफायती और समतामूलक स्वास्थ्य सेवा के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। (लेखक केंद्रीय मंत्री है(ये लेखक के अपने विचार हैं)

काम को समस्या न बनाएं

दुनिया भर में कई लोगों को सताने वाली इस यौन समस्या का निराकरण तब तक मुमकिन नहीं है, जब तक मन को समझ नहीं लिया जाता। हम विचार-क्रिया को यूं ही समाप्त नहीं कर सकते, परंतु जब विचारक का अंत हो जाता है, तब विचार का भी अंत हो जाता है, और विचारक का अंत तभी होता है, जब हम इस पूरी प्रक्रिया को समझ लेते हैं। भय तभी पैदा होता है, जब विचारक और उसके विचार में विभाजन होता है; जब विचारक नहीं होता, केवल तभी विचार में परस्पर द्वंद्व नहीं होता।

(जे कृष्णमूर्ति)

ऐसा क्यों होता है कि हम जो कुछ भी छूते हैं, वह समस्या में परिवर्तित हो जाता है हमने ईश्वर को एक समस्या बना दिया है, हमने प्रेम को एक समस्या बना दिया है, हमने संबंध को, जीने को एक समस्या बना दिया है, और हमने काम-वृत्ति को भी एक समस्या बना दिया है। क्यों... जब तक आप काम-वृत्ति को सोचने वाले मन को नहीं समझ लेते, तब तक यह असाधारण रूप से कठिन एवं जटिल समस्या बनी रहती है। काम-वृत्ति कभी भी समस्या नहीं हो सकती, समस्या उस क्रिया के बारे में सोचने के कारण पैदा होती है।

दुनिया भर में कई लोगों को सताने वाली इस यौन समस्या का निराकरण तब तक मुमकिन नहीं है, जब तक मन को समझ नहीं लिया जाता। हम विचार-क्रिया को यूं ही समाप्त नहीं कर सकते, परंतु जब विचारक का अंत हो जाता है, तब विचार का भी अंत हो जाता है, और विचारक का अंत तभी होता है, जब हम इस पूरी प्रक्रिया को समझ लेते हैं। भय तभी पैदा होता है, जब विचारक और उसके विचार में विभाजन होता है; जब विचारक नहीं होता, केवल तभी विचार में परस्पर द्वंद्व नहीं होता।

जब किसी विचार का एक तथ्य के रूप में अनुभव हो जाता है, तब उस तथ्य के बारे में सोचने की जरूरत नहीं रहती। यदि सहज, बिना पसंद-नापसंद के जागरूकता है, तो तथ्य का निहितार्थ प्रकट होने लगता है। अतः तथ्य के रूप में विचार का अंत हो जाता है। तब आप देखेंगे कि हमारे दिलो-दिमाग को कुरेदने वाली समस्याएं, हमारी सामाजिक संरचना की समस्याएं हल की जा सकती हैं। तब काम-वृत्ति कोई समस्या नहीं रहती; उसका अपना स्थान होता है, वह न तो पवित्र होती है और न अपवित्र। जीवन में काम-वृत्ति की अपनी जगह है, लेकिन जब मन उसे हद से ज्यादा तवज्जो देता है, तब यह वृत्ति एक समस्या बन जाती है। मन इसे हद से ज्यादा तवज्जो इसलिए देता है, क्योंकि वह थोड़े-बहुत सुख के बिना नहीं रह सकता और इसी कारण काम-वृत्ति समस्या बनती है।

जब मन अपनी समस्त प्रक्रिया को समझ लेता है और उसका अवसान हो जाता है, अर्थात जब विचार-क्रिया का समापन हो जाता है, तभी सृजन संभव होता है, और यह सृजन ही है, जो हमें सुखी बनाता है। सृजन की उस अवस्था में रहना ही आनंद है, क्योंकि वह आत्म-विस्मृति की अवस्था है, जिसमें स्व की कोई प्रतिक्रिया नहीं होती। काम-वृत्ति की समस्या का यह कोई सैद्धांतिक समाधान नहीं है, बल्कि एकमेव वास्तविक हल है। मन प्रेम का निषेध करता है और प्रेम के अभाव में शुचिता संभव नहीं; प्रेम न होने के कारण ही आप काम-वृत्ति को समस्या बना लेते हैं।

वर्ग पहेली 5788

1	2		3	■	4		5
6		■	7			■	
8		9		■		■	
■	■	10		11		12	
13	14	■	15		■		■
16		■	17		18	■	19
	■	20	■	21		22	
23				■	24		■

संकेतः बाएं से दाएं

1. 15 अगस्त को भारत के अतिरिक्त कांगों, नार्थ कोरिया, साऊथ कोरिया व इस देश में भी स्वाधीनता दिवस मनाया जाता है (4)
4. इस वृक्ष को छोटे-छोटे फलों से मदिरा निर्माण भी होता है (3)
6. मित्र, दोस्त, सखा, उपपति (2)
7. अरब का एक प्रसिद्ध शहर, ग्रांथिक रूप से इस अरबी शब्द का अर्थ शहर या नगर है (3)
8. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहा जाता है (4)
10. नष्ट्र ध्वंस, बर्बाद (6)
13. चैन, राहत, आराम (2)
15. वह विस्फोटक पदार्थ जो ज्वालामुखी पर्वत से निकलता है (2)
16. श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
17. कामिनी (3)
21. सबसे दोस्ती करने वाला (4)
23. जिसका नाम किसी बात आदि के लिए तय कर लिया हो (4)
24. हाथ, हस्त, महसूल, टैक्स (2)

ऊपर से नीचे

1. ठंडी हवा, पवन (3)
2. अक्षर, वर्ण (3)
3. स्वामीभक्त, उपकार मानने वाला, कृतज्ञ (6)
4. मनुहार, मनाने का काम (4)
5. अगल-बगल (4)
9. प्रतिमा, देवमूर्ति, कठोर हृदय, आकार (2)
11. प्रश्नात्क, प्रश्नपूर्ण, प्रश्नवाचक (4)
12. व्यक्तित्व, अस्तित्व, सामर्थ्य, शक्ति (2)
13. सुंदर नेत्रों वाली, पुराणानुसार महाराज जनक की पत्नी का यह नाम था (4)
14. दुष्ट, दुर्जन, अधम, नीच (2)
18. सद्गति प्राप्त करने वाला (3)
19. सेना को यह भी कहा जाता है (2)
20. जो दिन इस समय बीत रहा है, इस दिनों में (2)
22. दफा, मर्तबा, आधुनिक मद्यशाला (2)

वर्ग पहेली 5787 का हल

पा	कि	स्ता	न	■	अ	मे	ठी
र्थ	■	व	र	क	न्या	■	क
■	र	क	मी	■	य	दि	■
र	क्षा	■	■	जू	■	ल	क्ष्य
ह	क	■	आ	न	बा	न	■
न	व	नी	त	■	न	वा	ब
■	च	■	ति	थि	■	जी	न
■	■	जौ	■	र	क्त	■	ना

हिंदी जबरन थोपने की कोशिश न करें

(रश्मि ढेकणे)

आज हिंदी को देश की भाषा कहकर सारे उत्तर भारत के राज्यों की मूल मातृभाषा को समाप्त कर दिया गया है। जो भाषा स्वतंत्रता के समय बोली जाती थी, आज वह लुप्त होती जा रही है।

सन् 1857 तक कहीं कोई देवनागरी में 'हिंदी' नहीं बोली या लिखी जाती थी। मुगलों ने कभी भी भारतीय भाषाओं को नहीं अपनाया, उनके काल में सभी व्यवहार-फरमान फारसी, अरबी, तुर्क भाषा में होते थे। छत्रपति शिवाजी महाराज का 'हिंदवी स्वराज्य' मुगल काल में बना और तब आमतौर पर मुगलों की ही भाषा उपयोग में थी। छत्रपति शिवाजी महाराज व छत्रपति शंभुराजे के राज में मुगलों की फारसी, संस्कृत व स्थानीय मराठी भाषा का उपयोग होता था। पेशवा के समय पूरे देश में सनातन धर्म को फिर से प्रचलित करने के प्रयास हुए। उन्होंने सिंध, राजस्थान, पंजाब, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु में मराठी भाषा को नहीं थोपा।आज हिंदी को देश की भाषा कहकर सारे उत्तर भारत के राज्यों की मूल मातृभाषा को समाप्त कर दिया गया है। जो भाषा स्वतंत्रता के समय बोली जाती थी, आज वह लुप्त होती जा रही है। 1900 से भारतीय भाषा व सभ्यता के विरुद्ध षड्यंत्र चल रहा है। भारत की मूल भाषाओं और सनातन सभ्यता को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। वास्तव में, पूरे उत्तर भारत के राज्यों व भाषाओं को क्षति पहुंचाई गई। आज उत्तर भारत के बहुत से ऐसे छात्र दिखेंगे, जो पहाड़ी, अवधी, ब्रज, मारवाड़ी, शेखावाटी, मैथिली, भोजपुरी जैसी भाषाओं में लिखे गए साहित्य को पढ़-लिख-समझ ही नहीं सकते। आज भारत के लगभग हर राज्य का त्योहार है, लेकिन जम्मू-कश्मीर का सनातन धर्म से जुड़ा कौन-सा त्योहार है, इसका उत्तर स्वयं यहां के सनातनियों को भी ज्ञात या याद नहीं होगा। अगर समय रहते मूल भाषाओं को पुनः चलन में न लाया गया, तो यही हाल अगले 20-30 वर्षों में हिंदीभाषी राज्यों का होने वाला है। इसलिए, अपने राज्य अथवा क्षेत्र की मूल भाषाओं को सुरक्षित रखें।आज जो राज्य 'हिंदी' थोपने का विरोध कर रहे हैं, उनका साथ दें, क्योंकि यह राष्ट्रभाषा नहीं है, बल्कि 22 भाषाओं में से एक है। आपके राज्य की मूल भाषा आपकी माता है, जबकि दूसरे राज्यों की मूल भाषाएं आपकी मौसी। तो, मौसी का स्वागत, आदर करें, लेकिन उनको अपनी मां की जगह न दें। मराठियों की माता मराठी अभी जीवित है, तो उनको हिंदी मौसी की आवश्यकता नहीं है। इसी तरह, गुजरात में गुजराती माता, कर्नाटक में कन्नड़ माता, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना में तेलुगु माता, ओडिशा में ओड़िया माता, केरल में मलयाली माता, तमिलनाडु में तमिल माता, गोवा में कोंकणी माता अभी जीवित हैं। इन राज्यों में हिंदी मौसी आकर स्थायी ठिकाना बनाने की कोशिश न करे।

आज का राशिफल

मेष
आज करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है। कोई महत्वपूर्ण डील दोपहर तक फाइनल हो सकती है जिससे आपकी प्रफेशनल साख बढ़ेगी। ऑफिस में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। स्टॉक मार्केट या निवेश से जुड़े निर्णय फायदेमंद हो सकते हैं। विदेश या सरकारी क्षेत्र से धन प्राप्ति के योग हैं।

वृष
आज दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा। आप अपने व्यापार या करियर के विस्तार की नई योजनाओं में व्यस्त रहेंगे। किसी वरिष्ठ अधिकारी या सलाहकार के मार्गदर्शन से रुका हुआ फंड मिल सकता है। स्थानांतरण या प्रमोशन संबंधी सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं।

तुला
आज धन, करियर और साझेदारी के लिए दिन शुभ है। यदि आप नया व्यवसाय या वेंचर शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आज का दिन श्रेष्ठ है। पुराने फाइनेंशियल विवाद सुलझ सकते हैं जिससे राहत मिलेगी। बैंकर, लीगल प्रफेशनल्स और कंसल्टेंट्स को विशेष सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक
आज भाग्य साथ दे रहा है। आपके माली हालात में सुधार के योग बन रहे हैं। प्रफेशनल्स को बोनस या परफॉर्मेंस इंसेंटिव मिल सकता है। व्यापारियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल या टेक एक्सपोर्ट से जुड़े प्रॉजेक्ट्स में लाभ मिलेगा।

मिथुन
आज भाग्य साथ दे रहा है। रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष लाभकारी रहेगा। फ्रीलांसर, डिजाइनर, लेखक आदि के लिए नए क्लाइंट मिलने की संभावना है। अगर आप शेयर बाजार या क्रिप्टो मार्केट से जुड़े हैं तो दोपहर बाद कुछ तेजी से लाभ कमा सकते हैं।

कर्क
आज दिन शुभ है। आप अपनी सृजनात्मकता से करियर में एक नया मुकाम हासिल कर सकते हैं। मार्केटिंग, मीडियॉ, फिल्म, संगीत या फैशन से जुड़े जातकों को बड़ी डील मिल सकती है। सहकर्मी आपके आइडियाज को सराहेंगे।

धनु
आज लाभ होगा। दिन जोखिम और अवसर दोनों से भरा रहेगा। स्टार्टअप, फिनटेक या इनोवेटिव प्रॉजेक्ट्स में निवेश करने वाले लोग सफलता की ओर बढ़ सकते हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद स्थिर सोच लाभ देगी। करियर में अचानक कोई नया प्रस्ताव आ सकता है।

मकर
आज करियर और व्यापार दोनों में आज गति आएगी। कई तरह के प्रॉजेक्ट्स एक साथ हाथ में आने से कार्यभार बढ़ेगा लेकिन साथ ही वित्तीय लाभ भी मिलेगा। स्टार्टअप्स और फाइनेंस प्रोजेक्ट्स में फंडिंग या वेंचर कैपिटल का सहयोग मिलने के योग हैं।

सिंह
आज दिन काफी व्यस्त है। लेकिन आपके लिए कई नई संभावनाएं खुलने वाली हैं। जॉब चेंज या प्रमोशन की बात आगे बढ़ सकती है। वरिष्ठों से थोड़ा संघर्ष रहेगा, लेकिन आपकी योग्यता खुद बोलेगी। जो लोग एजुकेशन या रिसर्च सेक्टर में हैं उन्हें फंडिंग या स्कॉलरशिप से जुड़ी खबर मिल सकती है।

कन्या
आज आर्थिक मामलों में बहुत सतर्कता से काम करने का है। किसी पुराने लेनदेन में कानूनी उलझन संभव है, अत: दस्तावेजों की दोबारा जांच करें। कार्यस्थल पर सामंजस्य बनाए रखें, नहीं तो छोटी बात बड़े विवाद में बदल सकती है।

कुंभ
आज दिन आर्थिक मामलों में संभावनाओं से भरा होगा। स्वास्थ्य पर खर्च की संभावना से आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। व्यापारियों के लिए नए आइडिया लाभ दे सकते हैं। जॉब चेंज की प्लानिंग कर रहे हैं तो अच्छे विकल्प मिलने की संभावना है। फाइनेंस, आईटी और कंसल्टिंग से जुड़े लोग क्लाइंट पिच में सफल हो सकते हैं।

मीन
आज दिन भाग्य का साथ दे रहा है। वित्तीय दृष्टि से दिन शुभ है। कोई पुराना निवेश जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट या शेयर अप्रत्याशित लाभ दे सकता है। बैंकिंग, बीमा, गवर्नमेंट सेक्टर या पब्लिक डीलिंग से जुड़े कार्य सफल रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक अरूण कुमार पटेल द्वारा अरुण ऑफसेट प्रिंटर्स, द मॉल शॉपिंग काम्प्लेक्स, कोलार रोड भोपाल से मुद्रित कराकर आनंद विद्या भारती स्कूल के सामने सिराज उद्दीन खान म.नं. 5 जिला राजगढ़ से प्रकाशित। **संपादकः** अरुण कुमार पटेल, **स्थानीय संपादकः इफ्तेखार उद्दीन खान,** मो. 9977442619 उप संपादक : कमरुद्दीन खॉन मो. 9425442435(समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र राजगढ़ होगा।)

बारिश का सीजन में फ्रिज में रखते ही जहर बन जाएंगी ये सब्जियां

बरसात के मौसम में हेल्दी रहने के लिए खान-पान का खास ख्याल रखना होता है। छिले हुए लहसुन को फ्रीज करने से यह गल जाता है। शहद को रेफ्रिजरेट करने से यह बेस्वाद हो जाता है। 24 घंटे से ज्यादा समय तक चावल को फ्रिज में रखने के बाद खाने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। आइए जानते हैं ऐसी कौन-कौन सी सब्जियां हैं, जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

आमतौर पर हम खाने-पीने की हर चीज को फ्रिज में रख देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर एक चीज फ्रिज में रखने लायक नहीं होती है। कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें अगर हम फ्रिज में रखते हैं तो उनके रंग, सुगंध और स्वाद में कमी आ जाती है। आयुर्वेदिक डाइट एक्सपर्ट डॉ. डिंपल जांगड़ा यहां बता रही हैं कि वो कौन सी सब्जियां हैं जो फ्रिज में रखने पर जहरीली हो सकती हैं।

अदरक

अदरक को फ्रिज में रखने से भी उसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और यह किडनी और लिवर फेल होने का कारण बन सकता है। इसलिए अदरक को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। अदरक एक बहुत ही पौष्टिक औषधि है। ऐसा कहा जाता है कि अदरक खाने से अपच, कब्ज और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होता है।

लहसुन

लहसुन को छीलकर फ्रिज में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और फफूंदी लगे लहसुन के सेवन से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। फ्रिज में रखने से लहसुन के तेल भी खत्म हो जाते हैं, जिससे इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसलिए लहसुन को हमेशा बिना छिले ही खरीदें और इस्तेमाल से पहले ही छीलें। इसे फ्रिज में रखने के बजाय बाहर ही रखें।

प्याज

अक्सर लोग आधा प्याज काटकर बाकी आधा फ्रिज में रख देते हैं, ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आसपास के वातावरण के सभी हानिकारक बैक्टीरिया प्याज में चले जाते हैं और उसमें फफूंदी लग जाती है। जब घर में कोई बीमार होता है तो हम अक्सर एक प्याज काटकर कमरे के कोने में रख देते हैं ताकि वातावरण में मौजूद सभी हानिकारक बैक्टीरिया उसमें समा जाएं।

आलू-शिमला

आलू को फ्रिज में रखने से उसका टेक्सचर और स्वाद खराब हो जाता है। इसे पेपर बैग में लपेटकर कमरे के तापमान पर स्टोर करना बेहतर होता है। फ्रिज में रखने से शिमला मिर्च भी मुलायम हो जाती है और इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसे भी कमरे के तापमान पर ही स्टोर करना चाहिए।

लिवर की बीमारी होने से पहले आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

अगर आपकी स्किन पर इसमें से कोई संकेत दिख रहे हैं तो ये जरूरी है कि आप पहले अपने डॉक्टर से संपर्क करें। लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर ये लक्षण दिखते हैं।

हमारी स्किन कई बार हमें आने वाले खतरे का इशारा कर देती है। कुछ बीमारियां खासतौर पर स्किन के जरिए दिखती हैं। उदाहरण के तौर पर जब पीलिया या जॉइन्डिस होता है तो स्किन पीली होने लगती है। इसका सीधा सा संकेत है कि लिवर में पित्त बहुत ज्यादा बन गया है और स्किन पर इसका असर दिखने लगता है। पीलिया होते ही हम डॉक्टर के पास जाकर ट्रीटमेंट शुरू करवाते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर और भी संकेत मिलते हैं। लिवर की अलग-अलग कंडीशन होने पर स्किन हमें संकेत देती है कि अब टेस्ट करवाने की जरूरत है। डायटीशियन और होलिस्टिक न्यूट्रिशनिस्ट और डाइट पोडियम की फाउंडर शिखा महाजन से हमने बात की और इस बारे में और जानने की कोशिश की। उन्होंने विस्तार से हमें स्किन पर होने वाले रिएक्शन्स के बारे में बताया।

लिवर की बीमारी में स्किन में शुरू हो जाती है खुजली

आपका लिवर डैमेज हो रहा है इसका एक लक्षण खून में पित्त का बनना भी हो सकता है। ऐसा होने पर स्किन में खुजली शुरू हो जाती है। जब पित्त का डक्ट ब्लॉक होता है तो पित्त धीरे-धीरे खून में मिलने लगता है और स्किन के निचले हिस्से पर इकट्ठा हो जाता है। यही कारण है कि स्किन में खुजली होने लगती है और आपको थोड़ी असहजता होती है।

शरीर पर पड़ते हैं नीले चकत्ते या होती है ब्लीडिंग

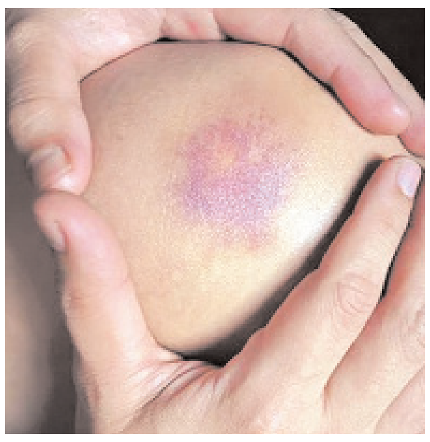

लिवर के डैमेज होने के कुछ सबसे पहले लक्षणों में से एक है शरीर में जगह-जगह नील पड़ जाना और बहुत आसानी से खून निकल आना। ये लक्षण कहते हैं कि आपका लिवर स्वस्थ नहीं है और ब्लड क्लॉटिंग रोकने के लिए जिन प्रोटीन्स की जरूरत होती है वो लिवर में सही मात्रा में नहीं बन रहे हैं।

स्पाइडर एंजियोमास का बनना

स्किन पर दिखने वाले कई लक्षणों में से एक है स्पाइडर एंजियोमास का दिखना। ये छोटी-छोटी कोशिकाएं होती हैं जो मकड़ी के जालों की तरह दिखती हैं। ये भी स्किन के निचले हिस्से में होती हैं और जब शरीर में एस्ट्रोजन लेवल बढ़ता है तो ये दिखने लगती हैं। अगर ये दिखती हैं इसका मतलब लिवर ठीक तरह से काम नहीं कर रहा है और आपके हार्मोन्स मेटाबोलाइज्ड नहीं हो रहे हैं।

मुंह से बहुत बदबू आना

मुंह से बहुत बदबू आना भी इस बात का लक्षण है कि आपका लिवर सही तरह से काम नहीं कर रहा है। dimethyl sulfide का हाई लेवल इस बात की ओर इशारा करता है कि आपको लिवर सिरोसिस हो रहा है और इससे फ्रूटी, सड़ी हुई बदबू आपके मुंह से आती है। लिवर डैमेज के द्वारा मुंह की दुर्गंध को Fetor hepaticus कहा जाता है।

चेहरे पर हाइपरपिगमेंटेशन

अगर आपके चेहरे पर एकदम से झाइयां और हाइपरपिगमेंटेशन होने लगा है तो ये भी लिवर डैमेज का एक लक्षण हो सकता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता है तो शरीर में एस्ट्रोजेन का स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में tyrosinase नामक एक एन्जाइम शरीर में बढ़ता है जिसमें कॉपर होता है। ये मेलानिन का प्रोडक्शन बढ़ाता है और इससे पिगमेंटेशन की समस्या होती है।

हथेलियों पर होती है खुजली, जलन और लालिमा
लिवर डैमेज का एक और लक्षण ये होता है कि आपकी हथेलियों में लालिमा, जलन, खुजली बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। ये शरीर में असमान्य हार्मोन लेवल्स के कारण होता है।

अगर आपको कोई भी अलग लक्षण अपनी स्किन पर दिख रहा है तो एक बार अपने डॉक्टर से चेक करवा लेना जरूरी है। हो सकता है ये लिवर के कारण नहीं बल्कि किसी और कारण से हो रहा हो, लेकिन स्किन पर अक्सर इसके लक्षण दिखने लगते हैं। रेगुलर चेकअप किसी गंभीर समस्या से बचा सकता है और आपको ऐसा कुछ भी होने पर हमेशा मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए जो आपको विस्तार से इसके बारे में बताएगा।

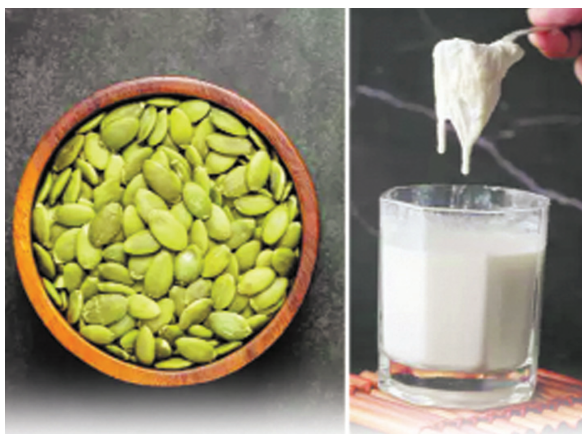

बरसात में शरीर को ले डूबेगी ज़िंक की कमी, आता-जाता इंफेक्शन कर देगा बुरा हाल

इस मानसून कद्दू के बीज, ओट्स, फलियां, डेयरी उत्पाद और डार्क चॉकलेट जरूर खाएं। ये फूड जिंक से भरपूर हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करते हैं। जिंक इम्यून सेल्स को संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

ज़िंक एक ज़रूरी मिनरल है जो हेल्दी इम्यून सिस्टम के लिए ज़रूरी है। यह इंफेक्शन से लड़ने में अहम रोल निभाता है क्योंकि यह इम्यून सेल्स के विकास और काम में मदद करता है। इस मानसून के मौसम में अपनी डाइट में ज़िंक से भरपूर फ़ूड्स को शामिल करके अपनी इम्यूनिटी को बढ़ावा दे सकते हैं। क्योंकि इस समय कीटाणु और वायरस तेज़ी से बढ़ते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए क्या करें

ये 5 फ़ूड्स ज़िंक से भरपूर होते हैं जो प्रतिदिन ज़िंक की रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा कर सकते हैं। पुरुषों को रोजाना 11

कद्दू के बीज

30 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 2.2 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। इन्हें सलाद पर छिड़कें, अपनी सुबह के ओट्स में शामिल करें या नाश्ते के रूप में खा सकते हैं। ये बीज प्रोस्टेट हेल्थ को सपोर्ट कर सकते हैं और यहां तक कि अपने उच्च ज़िंक कंटेंट और अन्य लाभकारी पोषक तत्वों के कारण डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद कर सकते हैं।

फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसी फलियां ज़िंक से भरपूर होती हैं। 100 ग्राम पकी हुई दाल में पुरुषों के लिए रोजाना का 12% और महिलाओं के लिए 16% जिंक होता है। फलियां फाइबर, प्रोटीन और विभिन्न विटामिन और खनिजों से भी भरपूर होती हैं, जो उन्हें बैलेंस्ड डाइट बनाता है। फलियों के नियमित सेवन से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है और क्रॉनिक डिजीज का खतरा कम होता है।

ओट्स

ओट्स ज़िंक का एक और बेहतरीन सोर्स हैं, जो पानी में पकाए जाने पर एक कप में लगभग 2.3 मि.ग्रा. प्रदान करते हैं। ये न केवल ज़िंक से भरपूर होते हैं बल्कि फाइबर से भी भरपूर होते हैं, जो पाचन स्वास्थ्य को सपोर्ट करता है।

डेयरी प्रॉडक्ट

शोध के मुताबिक पनीर और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स बायोअवेलेबल ज़िंक के जाने-माने स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि हमारा शरीर इन वस्तुओं में मौजूद अधिकांश ज़िंक को अवशोषित कर सकता है। एक कप फुल क्रीम दूध में पुरुषों के लिए दैनिक आवश्यकता का 9% और महिलाओं के लिए 13% जिंक होता है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम और विटामिन डी भी प्रदान करते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डार्क चॉकलेट

मीठा पसंद करने वालों के लिए, डार्क चॉकलेट ज़िंक की मात्रा को बढ़ावा देने का एक स्वादिष्ट तरीका है। 70%-85% डार्क चॉकलेट के 100 ग्राम बार में 3.31 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। डार्क चॉकलेट ज़िंक और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है मगर यह कैलोरी और शुगर में भी अधिक होती है, इसलिए इसका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए।

बच्चों की इम्युनिटी होती है कमजोर, बारिश के मौसम में वायरल होने की बढ़ जाती है आशंका

बरसात के दिनों अक्सर मच्छरों से होने वाली बीमारियां भी काफी बढ़ जाती हैं। सिर्फ गर्मी ही नहीं, बरसात में भी शरीर में पानी की कमी हो सकती है। ऐसे में इससे बचने के लिए हाइड्रेड रहना बेहद जरूरी है। अपने बच्चों की इम्युनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें हेल्दी डाइट दें।

वर्षा के चलते कई जगहों पर जलभराव और गंदगी होने से मच्छर और खतरनाक बैक्टीरिया जन्म ले लेते हैं। पानी और हवा के जरिए ये बैक्टीरिया खाने और शरीर तक पहुंचते हैं। हम बुखार व फ्लू जैसी बीमारियों की जकड़ में आ जाते हैं, लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए, तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। चूंकि बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है, तो इस वायरल की चपेट में वह जल्दी आ जाते हैं। मौसम बदलने के साथ ही वायरल बुखार की शुरुआत हो चुकी है।

बासा खाना बिल्कुल भी न दें

काफी संख्या में बच्चे ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इस वायरल से बचने का तरीका यही है कि बच्चे खाने से पहले हाथ धो लें। पेरेंट्स बच्चों को डाइट अच्छी दें। ताजा खाना और ताजे फल ही खिलाएं। बाहर का खाना खाने से बचें और बासा खाना बिल्कुल भी न दें। फिर भी यदि आपका बच्चा वायरल की चपेट में आ जाता है तो अच्छे डॉक्टर को दिखाएं और प्रॉपर दवा लें। यदि आपके घर में दूसरा बच्चा भी है, तो उसके साथ प्रिकोशन रखें, वरना वह भी वायरल की चपेट में आ सकता है।

आसपास पानी का भराव न होने दें

वायरल के दौरान पौष्टिक चीजें ही बच्चे को दें। ठंडा और खट्टा देने से बचें। बच्चे का टॉवेल और हैंकी अलग कर दें। आने वाले समय में मच्छर से होने वाले मलेरिया, डेंगू के केस भी बढ़ेंगे। इसके लिए जरूरी है कि अपने आसपास पानी का भराव न होने दें। जहां तक हो सके बच्चों को फुल बांह के कपड़े पहनाएं।

डिमेंशिया के जोखिम को कम करती हैं सरल दैनिक आदतें

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आप स्मार्टफोन और गूगल को समय देने के बजाय सरल दैनिक आदतों की ओर ध्यान दें तो यह आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के जोखिम को भी कम कर सकता है। वाटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने अपनी नई पुस्तक आईमाइंड- आर्टिफिशियल एंड रियल इंटेलिजेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तुलना में सरल दैनिक आदतों पर ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा है कि लोगों का फोकस सेल्फ लर्निंग से हटकर गूगल पर निर्भर हो गया है, जिसके गंभीर दूरगामी परिणाम हो सकते है। उन्होंने अपनी किताब आईमाइंड में कहा है कि कोई भी चीज मानव मस्तिष्क-मन की क्षमता, भंडारण, दीर्घायु, ऊर्जा दक्षता या आत्म उपचार क्षमताओं की नकल नहीं कर सकती। वर्तमान स्मार्टफोन की उपयोगी जीवन प्रत्याशा लगभग 10 वर्ष है। जबकि एक स्वस्थ मानव शरीर के अंदर एक स्वस्थ मस्तिष्क-मन 100 वर्ष या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकता है। स्मार्ट डिवाइस तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं, लेकिन वह मानव मस्तिष्क की भंडारण क्षमता या स्व-उपचार क्षमताओं की नकल कभी नहीं कर सकते। इस किताब में मनोभ्रंश के कारण होने वाले व्यक्तिगत नुकसान के बारे में बात की गई है। उन्होंने मस्तिष्क की दीर्घकालिक क्षमता की तुलना स्मार्टफोन के सीमित जीवनकाल से करते हुए कहा कि यदि स्वस्थ मस्तिष्क का पोषण किया जाए तो वह 100 वर्षों से अधिक समय तक चल सकता है। दैनिक मस्तिष्क व्यायाम जैसे मेमोरी वर्कआउट, एसोसिएटिव मेमोरी विकसित करना, शराब को नियंत्रित करना, आराम करना और नियमित झपकी लेना जैसे दैनिक व्यायाम मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं।

सरकार जल्द ही तेल कंपनियों को एलपीजी के नुकसान की कर सकती है भरपाई

सरकार पिछले 15 महीनों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकारी तेल कंपनियों को 30,000-35,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सरकार पिछले 15 महीनों में लागत से कम कीमत पर एलपीजी बेचने से हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकारी तेल कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) को 30,000-35,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे सकती है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय नुकसान की वास्तविक भरपाई और उसकी भरपाई की व्यवस्था पर काम कर रहा है।

1 फरवरी को पेश किए गए वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से मार्च 2026) के केंद्रीय बजट में, सरकार ने घाटे की भरपाई के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है। हालाँकि, अप्रैल में, सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 32,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया।

इस अतिरिक्त राजस्व का उपयोग वित्त मंत्रालय एलपीजी घाटे की भरपाई के लिए कर सकता है। अधिकारी ने कहा, तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसी) सरकारी परिवार का हिस्सा हैं। क्षतिपूर्ति होगी। हम मूल्यांकन कर रहे हैं कि कितना घाटा हो रहा है और उन्हें क्षतिपूर्ति के तौर-तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

घरेलू परिवारों को ऊँची बाजार दरों से बचाने के लिए सरकार घरेलू एलपीजी की कीमतों को नियंत्रित करती है। नियंत्रित कीमतें सऊदी अरब के सीपी - घरेलू एलपीजी की कीमत तय करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मानक - से कम हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थानीय माँग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है और ईंधन का आयात करना पड़ता है।

इससे घाटे की भरपाई होती है और परिणामस्वरूप ईंधन खुदरा विक्रेताओं को नुकसान होता है। वित्त वर्ष 2024-25 में एलपीजी उद्योग की बिक्री पर कुल घाटा लगभग 40,500 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी के साथ, खुदरा एलपीजी की कीमतों में भी 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के लिए 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इससे लागत और खुदरा बिक्री मूल्य के बीच के अंतर को कम करने में मदद मिली है, जिससे चालू वित्त वर्ष में घाटे में कमी आई है।

इससे पहले, सरकार दो वित्त वर्षों में कुल 35,000 करोड़ रुपये की एलपीजी सब्सिडी देने पर विचार कर रही थी। अधिकारी ने आगे कहा कि वे इस बात का मूल्यांकन कर रहे हैं कि हालिया उत्पाद शुल्क वृद्धि से प्राप्त राशि को मुआवजे की राशि में कैसे शामिल किया जाए।

यह पूछे जाने पर कि क्या तेल विपणन कंपनियों को मुआवजा भारत के समेकित कोष के माध्यम से दिया जाएगा, अधिकारी ने कहा, हाँ, मोटे तौर पर इसी तरह। प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद, इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा।

सरकार समय-समय पर आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को इन घाटे की भरपाई करती है। इन तीनों को पहले वित्त वर्ष 2021-22 और 2022-23 के लिए 22,000 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया था। यह 28,249 करोड़ रुपये के घाटे के विरुद्ध था। अधिकारी ने आगे कहा कि एक बार तेल विपणन कंपनियों को धनराशि जारी हो जाने के बाद, यह उनका विशेषाधिकार होगा कि वे पूंजीगत व्यय सहित, धनराशि का उपयोग कैसे करना चाहती हैं।

आईडीबीआई बैंक का निजीकरण जल्द, सरकार ने शेयर खरीद समझौते पर चर्चा की पूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया पिछले तीन वर्षों से चल रही है। बैंक की रणनीतिक बिक्री की प्रकिया अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। सरकार ने उन निवेशकों के लिए शेयर खरीद समझौते पर चर्चा पूरी कर ली है

आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री की प्रकिया अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने उन निवेशकों के लिए शेयर खरीद समझौते पर चर्चा पूरी कर ली है, जो वित्तीय बोलियां लगाने वाले हैं।

आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया पिछले तीन वर्षों से चल रही है।अक्टूबर 2022 में सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ मिलकर आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के लिए निवेशकों से रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे। इस प्रक्रिया के तहत सरकार और LIC की कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना है। इसमें सरकार की 30.48 प्रतिशत और एलआईसी की 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है।

अधिकारी ने बताया कि फिलहाल डेटा रूम की ड्यू डिलिजेंस प्रक्रिया चल रही है और सरकार जल्द ही वित्तीय बोलियां आमंत्रित करेगी। अक्टूबर 2022 में ईओआई आमंत्रित करने के बाद, जनवरी 2023 में निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग को कई ईओआई प्राप्त हुए थे। आईडीबीआई बैंक के संभावित खरीदार को पहले ही गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिल चुकी है। और भारतीय रिजर्व बैंक ने भी उपयुक्त एवं उचित मूल्यांकन घोषित कर दिया है। बीएसई में आईडीबीआई बैंक के शेयर 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.50 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

अनिल अंबानी की कंपनी को केनरा बैंक से राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। केनरा बैंक ने गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को सूचित किया कि उसने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाले खाते के रूप में वर्गीकृत करने के अपने फैसले को वापस ले लिया है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। केनरा बैंक ने गुरुवार को

बॉम्बे हाईकोर्ट को सूचित किया कि उसने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाले खाते के रूप में वर्गीकृत करने के अपने फैसले को वापस ले लिया है। व्यवसायी और बैंक के बीच चल रही कानूनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। अब फ्रॉड खाते का टैग हटना अनिल अंबानी की कंपनी के लिए एक बड़ी राहत है। केनरा बैंक ने अनिल अंबानी के दिवालिया दूरसंचार उद्यम रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसकी इकाई के ऋण खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था, क्योंकि 2017 में बैंक से लिए गए 1,050 करोड़ रुपये के ऋण का कथित रूप से दुरुपयोग किया गया था। ये ऋण मूल रूप से पूंजीगत व्यय और कंपनी के मौजूदा ऋण का भुगतान करने के लिए स्वीकृत किए गए थे। केनरा बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशंस को 5 नवंबर, 2024 को लिखे अपने पत्र में कहा था, उक्त ऋणों और ऋण सुविधाओं का लाभ उठाने के बाद, आपकी कंपनी ने डिफॉल्ट किया और स्वीकृत नियमों व शर्तों का उल्लंघन किया।

नये युग का आईटीएम, स्टैटिक नहीं, डायनामिक अप्ररोच के साथ कर रहा काम

देहरादून, एजेंसी। देहरादून स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अनुभवी और कुशल फैकल्टी, नवाचार और छात्रों को स्किल्ड बनाने के लिए जाना जाता है।

आज भारत वर्ष 2047 का रोडमैप लेकर चल रहा है। सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के लिए जरूरी है कि हम अपने परम्परागत दृष्टिकोण में बदलाव करते हुए आधुनिक तकनीक और नवाचार को अपने जीवन में सम्मलित करें ताकि भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें। देहरादून स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (आईटीएम) अपने छात्रों को नवाचार और कौशल विकास के माध्यम से डायनामिक बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

आईटीएम के चेयरमैन निशांत थपलियाल कहते हैं, हमारा संस्थान स्टैटिक नहीं, डायनामिक अप्ररोच के साथ काम कर रहा है ताकि बदल रहे भारत के साथ यहां के छात्र कदमताल कर सकें।

आईटीएम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अनुभवी और कुशल फैकल्टी, नवाचार और छात्रों को स्किल्ड बनाने के लिए जाना जाता है। संस्थान अपने छात्रों को अगले पांच साल के लिए तैयार कर रहा है ताकि वो बाजार की

मांग के अनुरूप तैयार हो सकें। इसके तहत छात्रों को विश्वविद्यालय के तय कोर्स के अलावा छात्रों को स्किल्ड बनाने, वैक्तित्व विकास और अंग्रेजी भाषा में सक्षम बनाने के लिए प्रयास किये जाते हैं। इसके सकारात्मक परिणाम रहे हैं और विगत कई वर्षों से आईटीएम में 100 फीसदी कैंपस प्लेसमेंट हो रहा है।

चेयरमैन निशांत थपलियाल के मुताबिक आज विज्ञान का दौर है। तेजी से बदलाव आ रहे हैं। ऐसे में संस्थान डायनाजिम में विश्वास करता है। हालांकि सेलेबस बदल गया है, लेकिन चेंज इतनी जल्दी हो रहा है कि नया सेलेबस भी पुराना हो जाता है। नवाचार और शोध ने शिक्षा के स्वरूप को बदल दिया है। एक नई तकनीक दूसरी तकनीक को पीछे छोड़ रही है। ऐसे में आईटीएम अपने छात्रों को भविष्य की तकनीक से जोड़ने का काम कर रहा है।

संस्थान का मानना है कि तकनीक सीखने की जरूरत है। मसलन आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (एआई) से डरना नहीं है, सीखना है। यही कारण है कि संस्थान ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विस यानी टीसीएस से करार किया है। टीसीएस संस्थान के छात्रों को आर्टिफिशल इंटेलीजेंस(एआई), डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी जैसे कोर्स भी करा रहा है ताकि संस्थान में आज पढ़ रहा छात्र 2030 के भारत के लिए तैयार रहे।

टीसीएस के इस कोर्स के तहत देश की प्रमुख 4200 कंपनियों में काम करने का अवसर मिलता है। आईटीएम में देश की प्रमुख आईटी कंपनियां टीसीएस, विप्रो, इंफोएसिस समेत 200 से भी अधिक कंपनियों के साथ कैंपस प्लेसमेट के लिए करार किया है।

आईटीएम बेहद वाजिब फीस में संस्थान छात्रों को बेहतरीन और अत्याधुनिक सुविधाएं दे रहा है। संस्थान में स्मार्ट और डिजिटल क्लासरूम, लाइब्रेरी, ई-लाइब्रेरी, सेमिनार हाल, कंप्यूटर लैब, और अन्य तमाम संसाधन मौजूद हैं। क्लासरूम में छात्र-टीचर रेसियो सबसे बेहतरीन है। छात्रों के साथ विभिन्न कंपनियों के एचआर, मैनेजर, टेक्निकल एक्सपर्ट का संवाद कराया जाता है। वर्कशॉप होती हैं और इंडस्ट्रियल टूर भी। वैक्तित्व विकास के लिए नाटक, भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं भी होती हैं। इसके अलावा आईटीएम खेलों के लिए भी अलग पहचान बनाए हुए है।

बीबीए, बीसीए, बीएससी आईटी, बी.कॉम आनर्स, बी.कॉम, बीएचएम, बीए योग, बीए आनर्स, जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन, बीएफए, बीबीए कारपोरेट, बीए ऑल स्ट्रीम, बी. लिब, बीएससी एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया।

25000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में देश का सबसे बड़ा बैंक, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। संपत्ति के लिहाज से देश का सबसे बड़ा ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक, अगले सप्हात संस्थागत क्यूआईपी के जरिए निवेशकों को 25,000 करोड़ रुपये (2.9 अरब डॉलर) के शेयर बेचने की तैयारी कर रहा है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

संपत्ति के लिहाज से देश का सबसे बड़ा ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक, अगले सप्हात संस्थागत क्यूआईपी के जरिए निवेशकों को 25,000 करोड़ रुपये (2.9 अरब डॉलर) के शेयर बेचने की तैयारी कर रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार यह देश का अपनी तरह का सबसे बड़ा सौदा हो सकता है।

ब्लूमबर्ग की ओर से इकट्ठा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अगर योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) पूरी तरह से सब्सक्राइब हो जाता है, तो यह भारत में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी होगा। यह 2015 में कोल इंडिया लिमिटेड की ओर से की गई 225.6 अरब रुपये की बिक्री से भी आगे निकल जाएगा। बैंक के बोर्ड ने मई में इस बिक्री को मंजूरी दी थी। सूत्रों के अनुसार, योजनाएं अभी अंतिम रूप नहीं ले पाई हैं और इनमें बदलाव हो सकते हैं। इस मामले में एसबीआई की ओर से फिलहाल कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

मामले की जानकारी रखने वालों के अनुसार, यह बिक्री एसबीआई की ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने, अपनी बैलेंस शीट को मज़बूत करने और नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने की व्यापक योजनाओं का हिस्सा है। 2017 के बाद यह पहली सरकार के स्वामित्व वाले इस ऋणदाता ने शेयर बाजार से पैसे जुटाने की योजना पर काम कर रहा है।

भारत-आसियान एफटीए समीक्षा में तेजी की उम्मीद, पीयूष गोयल ने मलेशियाई मंत्री के साथ की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और आसियान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा जल्द पूरी होने वाली है। उन्होंने इस मुद्दे के ऊपर मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ बैठक की है।

भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा जल्द पूरी होन की उम्मीद है। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को बताया कि मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा के लिए आसियान के साथ चर्चा चल रही है और वह वार्ता में तेजी लाने के लिए उत्सुक हैं।

गोयल और मलेशिया के उनके समकक्ष टी. जफरुल अजीज के बीच बैठक के दौरान यह मुद्दा उठा। गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पर इससे संबंधित एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ सार्थक बैठक हुई। मलेशिया, आर्थिक मामलों पर आसियान में भारत का स्थायी समन्वयक है। उन्होंने आगे कहा कि हमने दोनों देशों के बीच व्यापक

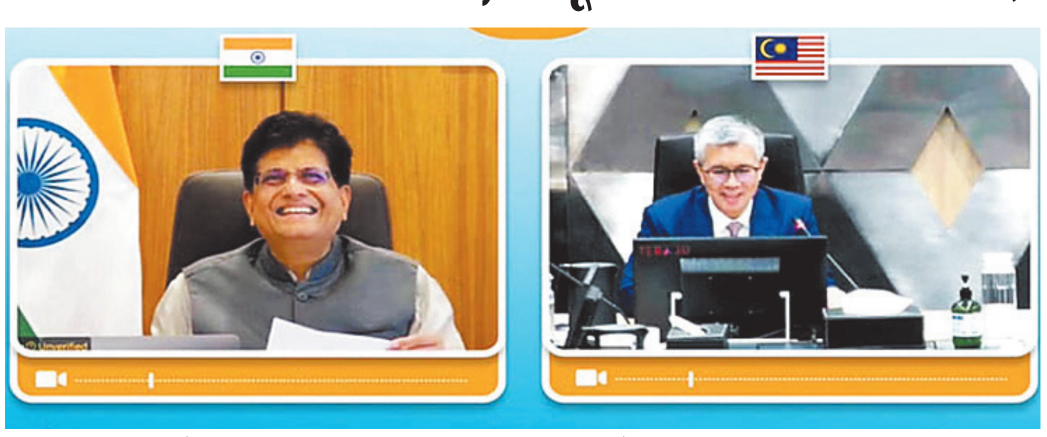

आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर चर्चा को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की।

मंत्रियों ने आसियान भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की चल रही समीक्षा और उससे जुड़ी चुनौतियों के समाधान पर चर्चा की। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि समीक्षा वार्ता धीमी गति से आगे बढ़ रही है। समझौते की समीक्षा भारतीय उद्योग की लंबे समय से चली आ रही मांग है। भारत एक उन्नत समझौते की उम्मीद कर रहा है, जो द्विपक्षीय व्यापार में मौजूदा विषमताओं को दूर करेगा और व्यापार को अधिक संतुलित व टिकाऊ बनाएगा।

2010 में लागू हुआ था दोनों पक्षों के बीच यह समझौता

आसियान के सदस्यों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। भारत और 10 देशों के समूह आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) के बीच वस्तुओं के क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते पर 2009 में हस्ताक्षर किये गये थे। आसियान व्यापार समझौता जनवरी 2010 में लागू हुआ। अगस्त 2023 में, दोनों पक्षों ने 2025 तक वस्तुओं पर मौजूदा समझौते की पूर्ण समीक्षा की घोषणा की।

टीसीएस के नतीजों से पहले शुरुआती कारोबार में बाजार में गिरावट

मुंबई, एजेंसी। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे क्योंकि निवेशक नतीजों के मौसम की शुरुआत से पहले अलग-थलग रहे। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टीसीएस आज दिन में अपनी पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा करने वाली है।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 76.99 अंक गिरकर 83,461.90 पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23.15 अंक गिरकर 25,452.95 पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, इंफोसिस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा पिछड़ गए। हालाँकि, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस लाभ में रहे।

बाजार उस संकीर्ण दायरे को तोड़ने की संभावना नहीं है जिसमें यह एक महीने से अधिक समय से कारोबार कर रहा है। वैश्विक बाजारों की मजबूती और भारतीय बाजारों में निरंतर पूंजी प्रवाह, इस दायरे के निचले स्तर पर बाजार को सहारा दे सकते हैं। अमेरिका और

भारत के बीच व्यापार समझौते की सकारात्मक खबरों के चलते निफ्टी 25,500 के ऊपरी दायरे से स्पष्ट रूप से बाहर निकल सकता है। लेकिन बाजार ने इसे आंशिक रूप से कम करके आंका है और इसलिए, यह निफ्टी 25,500 से आगे की तेजी को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं होगा, जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा।

उन्होंने कहा कि आज से नतीजों का मौसम शुरू हो रहा है और नतीजों के बाद शेयर बाज़ार में कई तरह की हलचल देखने को मिलेगी। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा भारत, बुधवार को ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ पत्र जारी किए गए देशों की सूची में अब तक शामिल नहीं है।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुआ। बुधवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 77 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, बाजार दो प्रमुख कारकों से प्रेरित हैं- टैरिफ का खतरा और टीसीएस द्वारा 10 जुलाई को बाजार खुलने के बाद पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा।

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.06 प्रतिशत गिरकर 70.15 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बुधवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 176.43 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 83,536.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 46.40 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 25,476.10 अंक पर बंद हुआ।

वंतिका, पद्मिनी, नंधिधा दूसरे राउंड में, हम्पी और हारिका भी खेलेंगी दूसरा राउंड

बातुमी , जॉर्जिया, एजेंसी। फीडे विश्व महिला कप 2025 के पहले राउंड के दूसरे मुकाबलों में भारत की तीन प्रमुख महिला शतरंज खिलाड़ियों - इंटरनेशनल मास्टर वंतिका अग्रवाल, आईएम पद्मिनी राऊत और महिला ग्रांड मास्टर नंधिधा पी वी - ने शानदार जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में प्रवेश कर लिया है । वहीं प्रियंका के ने हंगरी की महिला ग्रांड मास्टर गाल झोका को हराकर टाईब्रेक में प्रवेश कर दिया है । महिला ग्रांड मास्टर किरण मनीषा मोहंती पहले राउंड में बाहर होने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। वंतिका अग्रवाल ने तुर्कमेनिस्तान की लाला शोहरादोवा के विरुद्ध मुकाबला महज 27 चालों में समाप्त कर दिया, जब लाला ने एक चाल में अपने मोहरे की बलि दे दी। नंधिधा ने इक्वाडोर की अनाही ओर्तिज वर्देजोतो को हराया, जिन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर एक चाल में स्थिति गंवा दी और मुकाबला गवां बैठीं। भारत की पाँच बार की राष्ट्रीय विजेता पद्मिनी राऊत ने चीन की झांग लनलिन के खिलाफ सिसिलियन नजडोर्फ में लगातार दूसरे मुक़ाबले में अपना हाथी कुर्बान करते हुए जीत दर्ज की । वहीं महिला ग्रांड मास्टर प्रियंका के ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज करते हुए हंगरी की शीर्ष खिलाड़ी गाल झोका को हराया और मैच को टाईब्रेक तक खींच लिया।दूसरे राउंड में भारत की दो खिलाड़ी एक-दूसरे से टकराएंगी जब ग्रांड मास्टर हरिका द्रोणावल्ली का मुकाबला नंधिधा पी वी से होगा। वहीं अन्य मुकाबलों में जीएम कोनेरु हम्पी का सामना उज्बेकिस्तान की डब्ल्यूआईएम अफरूजा खमदामोवा से होगा, आईएम पद्मिनी राऊत का सामना जीएम अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक (स्विट्ज़रलैंड) से होगा, आईएम दिव्या देशमुख का मुकाबला जॉर्जिया की डब्ल्यूएफएम केसारिया म्गेलाड्ज़े से होगा और वंतिका अग्रवाल का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन जीएम अन्ना उशेनीना (यूक्रेन) से होगा।

गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन अस्थाई रूप से निलंबित, डोप टेस्ट में विफल रहने पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली , एजेंसी। इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने भारतीय गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन कौर को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह जानकारी अस्थायी निलंबन के तहत रखे गए खिलाड़ियों की नवीनतम सूची से मिली है। इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है। पंजाब की इस खिलाड़ी ने पिछले साल अंतर विश्वविद्यालय खेलों में 14.75 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान भी हासिल किया था। इस बीच अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पहलवान नितिका पर चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है जो पिछले साल 28 मई से प्रभावी है।

देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे सूर्यकुमार, बुमराह-संजना ने भी लगाया ग्लैमर का तड़का

लंदन, एजेंसी। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पत्नी देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे, जबकि जसप्रीत बुमराह ने भी पत्नी संजना के साथ विंबलडन का मैच देखा। इन दोनों की तस्वीरें विंबलडन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। सबसे बड़ा ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट विंबलडन धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंचने जा रहा है। पुरुष और महिला एकल के सेमीफाइनल मुकाबलों की आज से शुरुआत हो जाएगी। इस टूर्नामेंट में फिल्म और खेल जगत के कई सितारों ने ग्लैमर का तड़का लगाया। एंड्रयू गारफिल्ड और टॉम हॉलैंड से लेकर ब्रायन लारा और विराट कोहली तक इस टूर्नामेंट में शिरकत कर चुके हैं। अब बुधवार को भारत के दो और स्टार क्रिकेटर्स विंबलडन का मुकाबला देखने पहुंचे। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पत्नी देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे, जबकि जसप्रीत बुमराह ने भी पत्नी संजना के साथ विंबलडन का मैच देखा। इन दोनों की तस्वीरें विंबलडन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। सूर्यकुमार हर्निया की सर्जरी के लिए यूरोप गए थे।

जर्मनी में उनकी सर्जरी हुई थी। इसके बाद वह पत्नी के साथ क्रिकेट से ब्रेक का आनंद ले रहे हैं। इसी कड़ी में वह इंग्लैंड पहुंचे। वहीं, बुमराह भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। विंबलडन ने सूर्यकुमार और बुमराह का आभार भी जताया है। अब तक क्रिकेट जगत से कुल 11 सितारे विंबलडन 2025 के मुकाबले देखने पहुंच चुके हैं। इससे पहले क्रिकेट जगत से दीपक चाहर पत्नी जया भारद्वाज के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे। वहीं, विराट कोहली ने भी पत्नी अनुष्का के साथ विंबलडन का मुकाबला देखा था। वहीं, इंग्लैंड के सुपरस्टार जो रूट भी पत्नी कैरी कॉटरेल और जेम्स एंडरसन पत्नी डैनिएला लॉयड के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे। वहीं, महान ब्रायन लारा भी इसमें हाजिरी लगा चुके हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भी भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज से समय निकालकर विबंलडन का लुत्फ उठाने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी क्लेयर रैटक्लिफ भी नजर आईं। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी विंबलडन मैच देखने पहुंचे। इस दौरान वह सूट-बूट में नजर आए।

जोकोविच रिकॉर्ड 14वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे, कोबोली को कठिन मैच में हराया

लंदन, एजेंसी। पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना सिनर से और कार्लोस अल्काराज का सामना टेलर फ्रिट्ज से होगा। महिला एकल के पहले सेमीफाइनल में अरिना सबालेंका का सामना अमांडा एनिसिमोवा से और दूसरे सेमीफाइनल में बेलिंडा बेनचिच का सामना इगा स्वियातेक से होगा। सर्बिया के नोवाक जोकोविच विंबलडन के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त फैबियो कोबोली को मुश्किल मुकाबले में 6-7, 6-2, 7-5, 6-4 से हराया। यह जोकोविच का विंबलडन में रिकॉर्ड 14वां सेमीफाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में उनसे ज्यादा सेमीफाइनल मैच किसी ने नहीं खेला है। जोकोविच की नजर आठवीं बार विंबलडन जीतकर रोजर फेडरर की बराबरी करने पर है। सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना विश्व नंबर एक यानिक सिनर से होगा। सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बेंजामिन शेल्टन को 7-6, 6-4, 6-4 से हराया। वहीं, पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज का सामना टेलर फ्रिट्ज से होगा। अल्काराज कैम नॉरी को 6-2, 6-3, 6-3 से हराकर और फ्रिट्ज खाचानोव को 6-3, 6-4, 1-6, 7-6 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे।

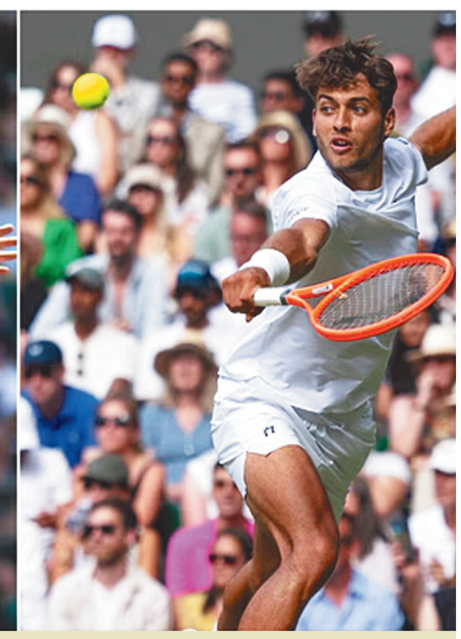

सैमसोनोवा को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं इगा स्वियातेक

लंदन, एजेंसी। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने बुधवार को रूस की लुडमिला सैमसोनोवा को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से हराकर पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

नंबर 1 कोर्ट पर खेलते हुए, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार मेजर क्वार्टर फाइनलिस्ट सैमसोनोवा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। 19वीं वरीयता प्राप्त पोलैंड की स्वियातेक ने रूसी खिलाड़ी पर 1 घंटा 49 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। यह उनकी सैमसोनोवा के खिलाफ लगातार 5वीं जीत है। विश्व नंबर एक खिलाड़ी के रूप में 125 सप्ताह बिताने वाली इगा स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी सक्रिय खिलाड़ी बन गई हैं। उनके अलावा इस सूची में सबालेंका, विक्टोरिया अजारेंका और कैरोलिना प्लिसकोवा शामिल हैं।

स्वियातेक ने चार खिताब फ्रेंच ओपन की लाल मिट्टी पर और एक यूएस ओपन की हार्ड कोर्ट पर जीता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के हार्ड कोर्ट पर भी दो बार सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है। हालांकि, ऑल इंग्लैंड क्लब की घास वाली को?र्ट पर उनके लिए अब तक सबसे मुश्किल साबित हुई। 23 साल की पोलैंड की खिलाड़ी इस साल घास पर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इस साल इस सतह पर उनका रिकॉर्ड 8-1 है। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ विंबलडन परिणाम 2023 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचना था। वह 2015 में एग्निज्का राडवांस्का के बाद विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली पोलिश महिला खिलाड़ी बन गईं। विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने जर्मनी की लौरा सीगेमंड की कड़ी चुनौती को परास्त कर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। एक अन्य मुकाबले में, अमांडा अनिसिमोवा ने क्वार्टर फाइनल में अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 6-1, 7-6(9) से हराकर अंतिम चार में जगह पक्की कर ली।

हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना की अगुआई में भारत ने खत्म किया 19 साल का सूखा

पहली बार इंग्लैंड से जीती महिला टी20 सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम ने 9 जुलाई 2025 की रात 2 बजे इंग्लैंड के मैनचेस्टर में इतिहास रचा। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार महिला टी20 सीरीज जीती। भारत ने मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए मैच में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया। इसके साथ ही उसने 5 मैच की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बनाई और इतिहास रचा।

सीरीज का अंतिम टी20 मैच शनिवार 12 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में खेला जाएगा। इससे पहले भारत ने 2006 में डर्बी में खेले गए एकमात्र टी20 मैच में इंग्लैंड को हराया था। उसके बाद से भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू और विदेशी धरती पर खेली गई हर महिला टी20 सीरीज (कुल 6 श्रृंखला) में हारती रही थी। इस तरह भारत ने 19 साल का सूखा खत्म किया।

शैफाली वर्मा-स्मृति मंधाना की ताबड़तोड़ शुरुआत

भारत की शानदार जीत में उसकी स्पिनर्स ने अहम भूमिका निभाई। राधा यादव (2/15), श्री चरणी (2/30) और दीप्ति शर्मा (1/29) ने 5 विकेट लिए और मेजबान टीम को 20 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। इसके बाद सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा (31 रन, 19 गेंद) और स्मृति मंधाना (32 रन, 31 गेंद) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 7 ओवर में 56 रन की साझेदारी करके जीत की नींव रखी। भारत ने 18 गेंद शेष रहते 17 ओवर में 4 विकेट पर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। राधा यादव प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं।

इंग्लैंड की धीमी पारी

इंग्लैंड ने अपने 20 ओवर्स में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। दूसरी ओर, भारत ने 10 चौके की मदद से 5 ओवर्स में ही 50/0 का स्कोर बना लिया था। इसके बाद मेजबानों ने रन-फ्लो रोकने में कामयाबी हासिल की और अगली 24 गेंद में सिर्फ 20 रन दिए भारत की दोनों ओपनर्स (शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना) को पवेलियन भेज दिया। एक समय ऐसा भी आया जब भारत की स्थिति थोड़ी निराशाजनक लग रही थी।आवश्यक रन-रेट एक गेंद पर एक रन के करीब पहुंच रहा था, लेकिन हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने शुरुआत में सिंगल्स लेकर क्रीज पर नजरें टिकाईं। फिर कुछ बड़े ओवर आए जहां उन्होंने 22 रन बनाकर लगभग मैच अपने पाले में पक्का कर लिया।

दस दिन से पहले पोलैंड रेस फतह कर जॉन ग्वाइट ने रचा इतिहास, बनाया भारत का नया साइकिलिंग रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने 3,600 किलोमीटर लंबी रेस अराउंड पोलैंड बिना किसी मदद के अकेले 9 दिन 21 घंटे में पूरी कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने 274 घंटे के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा और 31,000 मीटर ऊंचाई वाले चुनौतीपूर्ण रास्तों को पार किया।

भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने इतिहास रचते हुए दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण साइकिलिंग स्पर्धाओं में से एक रेस अराउंड पोलैंड (आरएपी) को 10 दिनों से भी कम समय में पूरा कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान रच डाला। ग्वाइट ने कई बाधाओं को पार करते हुए 3,600 किलोमीटर की दूरी 237 घंटे में पूरी की। उन्होंने इसके लिए कुल नौ दिन और 21 घंटे का समय लिया है। ग्वाइट ने रेस पूरी करके 274 घंटे के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को तोड़ा। वह 10 दिन से कम में इस रेस को पूरा करने वाले देश के पहले साइकिलिस्ट हैं।

ग्वाइट ने अन्य प्रतिभागियों की तरह अकेले और बिना किसी सहायता के प्रतिस्पर्धा की। रेस के दौरान साइकिलिस्टों को कोई टीम कार या कोई बाहरी सहायता नहीं दी गई थी। यह रेस इस वजह से भी कठिन हैं, क्योंकि रेस में दुर्गम रास्तों से

गुजरते हुए 31 हजार मीटर की ऊंचाई तक जाना होता है। यह रेस एक अन्य कठिन साइकिलिंग स्पर्धा रेस अक्रॉस अमेरिका के लिए एक क्वालिफायर इवेंट भी है।ग्वाइट ट्रांस हिमालयन रेस को 62 घंटे में पूरा कर चुके हैं। उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक दूरी भी पार की है। पेरिस से ब्रेस्ट और पेरिस की 1229 किलोमीटर की दूरी को उन्होंने 59 घंटे 29 मिनट में पूरा किया।

पीएसजी फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में, रियल मैड्रिड को 4-0 से हराया, रुईज ने दागे दो गोल

ईस्ट रदरफोर्ड, एजेंसी। इसी साल यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली पीएसजी की टीम ने रियल मैड्रिड को पूरे मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। रुईज ने छठे और 24वें मिनट में दो गोल दागे। इसके अलावा डेम्बेले और रामोस ने एक-एक गोल किया।

पीएसजी की टीम फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। उसने सेमीफाइनल में स्पेन की दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड को 4-0 से हरा दिया। पीएसजी के लिए फैबियन रुईज ने सबसे ज्यादा दो गोल किए। अब फाइनल में पीएसजी का सामना चेल्सी से होगा। चेल्सी ने फ्लूमिनेंस को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबला ईस्ट रदरफोर्ड के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार 14 जुलाई को रात साढ़े 12 बजे शुरू होगा।

पीएसजी की मैड्रिड पर एकतरफा जीत

इसी साल यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली

पीएसजी की टीम ने रियल मैड्रिड को पूरे मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। टीम ने शुरू में स्पैनिश जायंट्स पर पकड़ बना ली थी। मैच के छठे मिनट में ही रुईज ने गोल दाग पीएसजी को 1-0 की बढ़त दिला दी। फिर डेम्बेले ने नौवें मिनट में गोल दाग बढ़त को दोगुना कर दिया। शुरुआती 10 मिनट में ही दो गोल खाने के बाद रियल मैड्रिड की टीम सकपका गई। टीम ने आक्रमण करने की कोशिश की, लेकिन काफी मौके गंवाए। रुईज ने फिर 24वें मिनट में गोल दाग पीएसजी को 3-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक पीएसजी की टीम 3-0 से आगे रही। हाफ टाइम के बाद पीएसजी ने डिफेंस पर ज्यादा ध्यान दिया। मैड्रिड की टीम चाह कर भी कुछ नहीं कर सकी। 87वें मिनट में गोंकालो रामोस ने गोल दागा और पीएसजी को 4-0 से आगे कर दिया और साथ ही टीम की लगभग जीत सुनिश्चित कर दी।

पेड्रो के दो गोल से चेल्सी 13 साल बाद फाइनल में

इससे पहले यूरोपीय क्लब चेल्सी 13 साल बाद क्लब विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया। क्लब ने सेमीफाइनल में पिछली बार की उपविजेता फ्लूमिनेंस को 2-0 से मात दी। इस मैच के हीरो 23 साल के जाओ पेड्रो रहे जिन्होंने चेल्सी के लिए पहली बार गोल किए। दोनों गोल उन्हीं के नाम रहे। उन्होंने पहले हाफ में 18वें मिनट पर पहला गोल दागा। वहीं, 56वें मिनट पर एंजो फर्नांडिस की मदद से वह दूसरा गोल करने में सफल रहे। यह पहली बार हुआ है जब किसी खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में अपने पुराने क्लब (2019-2020) के खिलाफ गोल दागा है। अब चेल्सी की नजरें पहले खिताब पर होंगी क्योंकि 2012 में वह पहली बार क्लब विश्वकप के फाइनल में पहुंचकर भी ब्राजील के क्लब कुरिन्थियों से हार गया था।

कार्लो एंसेलोटी के बेटे डेविड बने बोटाफोगो के कोच

ब्राजील के क्लब बोटाफोगो ने ब्राजील राष्ट्रीय टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के बेटे को अपना नया मैनेजर नियुक्त किया है। 35 वर्षीय डेविड एंसेलोटी को 2026 तक का अनुबंध दिया गया है। यह उनका पहला पूर्णकालिक कोचिंग अनुबंध है। बोटाफोगो के मालिक जॉन टेक्स्टर ने क्लब विश्वकप में टीम के अंतिम-16 से बाहर होने के बाद पूर्व कोच रेनाटो पाइवा को निकाल दिया था।

शहरी विकास के नए अध्याय की शुरुआत

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव

भविष्य के शहरों का निर्माण

11 जुलाई, 2025 । पूर्वाह्न 10:00 बजे / ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर

शुभारंभ

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप मध्यप्रदेश के शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। इससे बढ़ती नगरीय जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। समृद्ध और विकसित शहर, प्रदेश के समावेशी विकास की आधारशिला बनेंगे।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

प्रमुख आकर्षण

- 1500 से अधिक प्रतिभागी
- एक्सपो (आमजन के लिए सायं 5:30 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक)
- वन-टू-वन मीटिंग

फोकस सेक्टर

- रियल स्टेट
- इन्फ्रास्ट्रक्चर
- पर्यटन
- होटल इंडस्ट्री

पैनल चर्चा

- अर्बन टेक
- अर्बन ग्रीन्स
- अर्बन मोबिलिटी
- अर्बन इन्फ्रा ड्राइव

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11062/25